केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 136 सोमवार 9 दिसम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

चाकू से हमले में युवक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोनहा थाना क्षेत्र के सल्टौआ गांव में शनिवार शाम को लगभग छह बजे एक युवक ने दूसरे युवक को सिर्फ समझाने पर चाकू मार दिया। पड़ोस पड़ोस का युवक किसी बात पर नाराज था और शोर मचा रहा था। युवक सिर्फ उसे समझाने गया था। चाकू लगने के बाद घायल युवक को आसपास के लोग जिला अस्पताल लेकर पहुंचे मगर अस्पताल के गेट पर ही उसने दम तोड़ दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक घायल होकर गिरते देख हमलावर ने खुद को भी चाकू मार लिया है। उसे भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक सल्टौआ निवासी 35 वर्षीय पिंटू अग्रहरि पारिवारिक कलह से परेशान था। शनिवार शाम को अपने घर के बाहर अलाव जलाकर ताप रहा था।

बताया जा रहा है कि नशे में धुत होकर किसी से वह गुस्से में बात कर रहा था। उसी समय गांव का 22 वर्षीय शिवम् सोनी पुत्र राम सरन सोनी गुजर रहा था। पिंटू को विचलित देख वह समझाने के लिए रुक गया। यह बात पिंटू को नागवार लगी। उसने बीच में बोलने पर ऐतराज जताया। इस बात को लेकर दोनों में विवाद होने लगा।गांव के लोगों ने बताया इतने में पिंटू ने घर से सब्जी काटने वाला चाकू लाकर शिवम सोनी के पेट में भोंक दिया।

महाकुंभ मेले के लिये बस्ती को मिली 4 नई बस

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। जनवरी से शुरू हो रहे महाकुंभ मेला और स्नान पर्व के लिए बस्ती डिपो को चार नई बसें प्राप्त हुई हैं। ये बसें महाकुंभ स्पेशल सेवा के तहत चलाई प्रयागराज के लिए जाएंगी। इससे यात्रियों व श्रद्धालुओं को प्रयागराज पहुंचने में काफी सहूलियत मिलेगी। रोडवेज बस्ती डिपो को चार नई बसें मिलने से बेड़ा बढ़ गया है। अब निगम की 96 बसें हो गई हैं। एआरएम आयुष भटनागर ने बताया कि चार बड़ी बसें मिल गई हैं। इन बसों का संचालन शीघ्र ही रूट निर्धारित करते हुए कराया जाएगा। बताया कि चारों बसों का पंजीयन सेवा प्रबंधन आफिस गोरखपुर के जरिये हो गया है। कानपुर सेंट्रल कार्यशाला से बसें सीधे गोरखपुर पहुंची। यहां कागजी प्रक्रिया पूरा होने पर बसों को बस्ती डिपो में भेजा गया। बताया कि बसों की संख्या बढ़ने से यात्रियों को सीधा लाभ होगा। बताया कि निगम की बसें लंबी दूरी पर जबकि 32 अनुबंधित बसों को लोकल रूट पर चलाया जाएगा। महाकुंभ के लिए अतिरिक्त बसें चलवाई जाएंगी, ताकि यात्रियों को प्रयागराज जाने और आने में परेशानी न हो।

जद यू की बैठक में मुद्दों पर चर्चा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनता दल (यू) की मासिक बैठक जिला संयोजक राजन चौधरी की अध्यक्षता में दिवानी कचहरी मे हुई। बैठक में बस्ती मंडल के संगठन प्रभारी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष रजनीश पटेल मौजूद रहे। इस अवसर पर सर्वसम्मति से रामरक्षा चौधरी तथा कृपाशंकर चौधरी को पार्टी का जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। प्रदेश उपाध्यक्ष रजनीश पटेल ने कहा उत्तर प्रदेश में भी बिहार का माडल लागू होना चाहिये। नीतीश बाबू की योजनायें और उनके विचार मौजूदा परिवेश में प्रासंगिक हैं और इन्हे लागू किया जाना देशहित मे है। उन्होने कहा यूपी में 2027 का विधानसभा चुनाव नीतीश कुमार के विजन पर लड़ा जायेगा। बैठक में सांगठनिक विस्तार एवं सदस्यता पर चर्चा हुई। प्रदेश सचिव प्रवीण कुमार चौधरी ने कहा सांगठनिक मजबूती के लिये ब्लाक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। बैठक में अजीत पासवान, द्वारिका प्रसाद चौधरी, रामरक्षा चौधरी, कृपासागर आदि मौजूद रहे।

किसानों ने फिर शुरू किया दिल्ली मार्च पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े

नई दिल्ली (आभा)। 101 किसानों का एक समूह रविवार को पंजाब–हरियाणा बॉर्डर से दिल्ली की ओर मार्च फिर से शुरू करने की कोशिश कर रहा है। उनकी मुख्य मांग न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए कानूनी गारंटी और अन्य मुद्दों का समाधान है। हरियाणा पुलिस ने उनके मार्च को कुछ मीटर की दूरी पर ही रोक लिया, जिसके बाद हिंसक झड़पें हुईं। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर–बितर करने के लिए आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल किया।

हरियाणा पुलिस ने किसानों से विरोध प्रदर्शन जारी रखने के लिए आवश्यक अनुमति की मांग की, जिससे शंभू में किसानों और पुलिस के बीच बहस शुरू हो गई। एक प्रदर्शनकारी किसान ने कहा, ष्पुलिस पहचान पत्र मांग रही है, लेकिन उन्हें यह गारंटी देनी चाहिए कि वे हमें दिल्ली जाने की अनुमति देंगे। वे कहते हैं कि दिल्ली जाने की अनुमति नहीं है तो फिर हमें पहचान पत्र क्यों देना चाहिए? हम पहचान पत्र देंगे अगर वे हमें दिल्ली जाने की अनुमति दें।'

इस बीच, पुलिस ने दावा किया कि किसान एक समूह के बजाय भीड़ के रूप में जा रहे थे। उन्होंने कहा कि किसानों को केवल तब आगे बढ़ने दिया जाएगा जब उनकी पहचान सत्यापित हो जाएगी। पुलिस ने कहा, ष्हम पहले उनकी पहचान सत्यापित करेंगे, फिर उन्हें आगे जाने की अनुमति देंगे। हमारे पास 101 किसानों की सूची है, लेकिन ये वही लोग नहीं हैं। वे हमें अपनी पहचान सत्यापित नहीं करने दे रहे और भीड़ की तरह आगे बढ़ रहे हैं।' हालांकि, किसानों ने इस दावे का खंडन करते हुए कहा कि उन्होंने पुलिस को कोई सूची नहीं दी है।

दिल्ली की ओर किसानों के इस नए प्रयास के मद्देनजर पंजाब–हरियाणा सीमा पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है और उनकी प्रगति को रोकने के लिए बैरिकेड्स लगाए गए हैं। सीमा पर धारा 163 (पूर्व में धारा 144) के तहत निषेधाज्ञाएं लागू की गई हैं, जो पांच से अधिक लोगों के एकत्रित होने पर रोक लगाती हैं।

शुक्रवार को किसानों ने दिल्ली की ओर बढ़ने की कोशिश की थी, लेकिन जब सुरक्षा कर्मियों ने आंसू गैस के गोलों से उनका सामना किया तो वे अपनी यात्रा रोकने पर मजबूर हो गए थे। किसान नेता सरवण सिंह पंढेर ने कहा कि उनके मुद्दों और मांगों, खासकर एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी को लेकर केंद्र सरकार से कोई संवाद नहीं किया गया है। पंढेर ने कहा, ष्केंद्र ने किसानों और मजदूरों से बात करने का मन बना लिया है वे हमें रोकने के लिए बल का प्रयोग कर रहे हैं। हम दिल्ली शांतिपूर्वक और अनुशासन के साथ जाएंगे जैसा कि हमने कल किया था। मोदी सरकार बात करने के मूड में नहीं है।'

उन्होंने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान पर संसद को गुमराह करने का आरोप भी लगाया। पंढेर ने कहा, 'कृषि मंत्री संसद को गुमराह कर रहे हैं। हम एमएसपी पर कानूनी गारंटी की मांग कर रहे हैं लेकिन मंत्री चुप हैं।

द मूक नायक संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बने बृजेश आर्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कांग्रेस नेता एवं महादेवा विधानसभा से पूर्व प्रत्याशी बृजेश कुमार आर्य को द मूक नायक संगठन का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष घोषित किया गया है। द मूक नायक के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप सिंह ने बृजेश कुमार आर्य को द मूक नायक संगठन का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाते हुये अपेक्षा किया है कि वे राष्ट्रीय स्तर पर समाज के वंचितों, उपेक्षित वर्ग, आदिवासियों, दलितों के हितों के लिये रचनात्मक पहल करेंगे।

बृजेश कुमार आर्य को द मूक नायक संगठन का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष घोषित किये जाने पर संजय कुमार, प्रवीन, शिव कुमार सोनकर, प्रदीप चौधरी, रमेश चौधरी, राम सिंह, पप्पू श्रीवास्तव के साथ ही अनेक लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

जूनियर शिक्षक संघ का अधिवेशन 15 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ बस्ती मण्डल की बैठक बी.एस.ए. कार्यालय के परिसर में स्थित विद्यालय पर मण्डल अध्यक्ष अयोध्या प्रसाद की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद और ब्लाक स्तरीय अधिवेशन कराये जाने, सदस्यता शुल्क जमा कराये जाने, शिक्षकों की समस्याओं के निस्तारण आदि बिन्दुओं पर विचार किया गया। निर्णय लिया गया कि 15 दिसम्बर को जिला कार्यकारिणी का अधिवेशन होगा।

मण्डल अध्यक्ष अयोध्या प्रसाद ने कहा कि अधिवेशन में बड़ी संख्या में शिक्षक हिस्सा लेंगे। संचालन करते हुये मण्डल महामंत्री अमरेश बहादुर सिंह ने कहा कि शिक्षकों के समस्याओं का प्रमुखता से निस्तारण संघ की प्राथमिकता है।

बैठक में मुख्य रूप से सुभाष चन्द्र, अशोक कुमार गुप्ता, अब्दुल रहीम, केशराम चौधरी, घनश्याम प्रसाद, शमीम अहमद, सन्तोष कुमार श्रीवास्तव के साथ ही संघ पदाधिकारी और अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

मां–बेटी की हत्या मामले में दो महिलायें गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज थानाक्षेत्र के सेंठा में मां–बेटी की जघन्य हत्या की वारदात में नामजद आरोपी दो महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस कार्यालय के अनुसार नामजद शिल्पा उपाध्याय पत्नी राजेश उर्फ राजन उपाध्याय और शान्ति देवी पत्नी कमलेश उपाध्याय उर्फ बिलोधर को थाना प्रभारी दीपक दुबे की टीम ने रविवार को रानीपुर गांव के सामने नहर से गिरफ्तार कर लिया। दोनों को पुलिस अभिरक्षा में न्यायालय भेज दिया गया। हत्याकांड के अन्य आरोपी अब भी फरार चल रहे हैं। सेंठा गांव की गोदावरी देवी (60) और उनकी छोटी बेटी सौम्या (22) की गला दबाकर हत्या के बाद दोनों के शवों को आग लगा दी गई थी। गत बुधवार को अधजला शव एक कमरे में तख्ते पर मिला था। सम्पत्ति विवाद को लेकर वारदात को अंजाम देने का आरोप मृतका के बेटों, देवर अन्य परिवारीजनों पर ही है। घटना के बाद से ही फरार आरोपितों का लोकेशन ट्रेस कर पाने में स्थानीय पुलिस के साथ स्वॉट, क्राइम, एसओजी व सर्विलांस की टीमें लगी हैं। घटना के चार दिन बाद पुलिस ने दो महिला आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

करमा देवी शैक्षणिक संस्थान के स्थापना दिवस में हिस्सा लेंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। करमा देवी शैक्षणिक संस्थान के 15वें स्थापना दिवस की तैयारियां अंतिम चरण पर चल रही है मुख्य अतिथि के रूप उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल होंगे। कार्यक्रम को यादगार बनाने के लिए विद्यालय प्रबंधन लगा हुआ है। चेयरमैन ओम नारायन सिंह ने बताया कि करमादेवी शैक्षणिक संस्थान समूह की स्थापना उनकी माता जी की स्मृति में किया गया है। इस बार का आयोजन ”भारतीय धरोहर” पर आधारित है आज देखा जाए तो युवा वर्ग रामायण महाभारत महाकुंभ को कोरी कल्पना समझते है। जिसे आम जनमानस को समझने के लिए इस बार की थीम धरोहर है जिसे लेकर छात्रों ने काफी परिश्रम से कार्यक्रम तैयार किया है।

श्री सिंह ने कहा कि हम छात्रों गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बेहतर संस्कार देते है विद्यालय समय समय पर ऐसे आयोजन करता है कि छात्रों को पर्व, त्यौहार एवं भारतीय संस्कृति को समझे एवं जाने। वर्तमान प्लेवे से लेकर उच्च स्तरीय शिक्षा के साथ ओमनी रेडियो, एएनएम जीएम बी फार्मा डी फार्मा जैसे करमादेवी शैक्षणिक संस्थान में दर्जनों कोर्स उपलब्ध है हमारा प्रयास है कि जल्द ही एक शानदार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल भी यहाँ के लोगो को दिया जाए।

उन्होंने कहा कि 11 दिसंबर को मेरा जन्मदिन भी है इसी दिन संस्थान का फाउंडेशन डे मनाया जाता है।इस बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री जी के आने से विद्यालय परिवार काफी उत्साहित है। हेलीकॉप्टर के लैंडिंग के लिए हेलीपैड का भी निर्माण कैम्पस में ही कराया जा रहा है। लगभग दो घंटे कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे।

ऑनर किलिंग के मामले में पिता–चाचा को आजीवन कारावास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। फास्ट ट्रैक कोर्ट द्वितीय के न्यायाधीश विजय कुमार कटियार की अदालत ने ऑनर किलिंग के मामले में पिता–चाचा को आजीवन कारावास व 15–15 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड नहीं देने पर नौ माह अतिरिक्त कारावास भुगतनी पड़ेगी। सहायक शासकीय अधिवक्ता फौजदारी अजय बहादुर पाल ने अदालत को बताया कि पैकोलिया थानाक्षेत्र के बेलभरिया रामगुलाम निवासी आदेश पांडेय ने छावनी थाने में तहरीर देकर कहा कि उनका राष्ट्रीय राजमार्ग पर विक्रमजोत के पहले ग्राम गोड़सरा शुक्ल में आदेश लाइन ढाबा के नाम से ढाबाध्होटल चलता है। 25 जुलाई 2016 को सुबह सात बजे जगने के बाद देखा कि होटल के सामने सड़क की दूसरी पटरी पर बोरे में भरकर एक महिला की लाश पड़ी है। ऐसा लग रहा था कि कोई कहीं से मार कर यहां फेंक गया है।

पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत किया। दौरान विवेचना यह तथ्य सामने आया कि फैजाबाद जिले के पूरा कलंदर थानाक्षेत्र के सथरी गांव निवासी राम प्रगट की बेटी घटना के कुछ दिन पहले गैर बिरादरी के साथ चली गई थी। राम प्रगट व मृतका के चाचा वीरेंद्र कुमार को पसंद नहीं था। अपने सम्मान व मान प्रतिष्ठा बचाने के लिए राम प्रगट ने एक प्लान के तहत बेटी की हत्या करके लाश बोरे में भरकर भाई वीरेंद्र के साथ कार में रखकर छावनी थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग पर फेंक दिया था। पुलिस ने रामप्रगट व विरेंद्र के विरुद्ध हत्या व साक्ष्य गायब करने के मामले में आरोप–पत्र कोर्ट में दाखिल किया था। न्यायाधीश ने दोनों पक्ष की बहस सुनने के उपरांत कहा कि इस तरह का अपराध ऑनर किलिंग के नाम से जाना जाता है। न्यायाधीश ने दोनों आरोपियों को हत्या करके साक्ष्य छुपाने के मामले में दोषी मानते हुए आजीवन कारावास व अर्थदंड की सजा सुनाई है।

सीरिया में तख्तापलट से ईरान की बैचेनी बढ़ी

नई दिल्ली (आभा)। मिडिल ईस्ट के मुस्लिम राष्ट्र सीरिया में तख्तापलट हो चुका है। विद्रोही गुट और कभी अलकायदा से संबंध रखने वाले हयात तहरीर अल–शाम ने बशर अल असद की 30 साल पुरानी हुकूमत को जड़ से उखाड़ फेंका है। असद परिवार की 50 साल पुरानी तानाशाही कुछ ही दिनों के संघर्ष में समाप्त हो गई है। सीरिया में तख्तापलट ने ईरान की नींद उड़ा दी है। ऐसा इसलिए हमास, हिजबुल्लाह के बाद ईरान के प्रमुख सहयोगियों में सीरिया की बशर सरकार भी थी। ईरान में हलचल तेज हो गई है।

सीरियाई विद्रोहियों ने रविवार को दमिश्क पर कब्जा करने के बाद राष्ट्रपति बशर अल–असद को पद से हटाने की घोषणा की। जिससे उन्हें भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। हालांकि इस बीच ये भी चर्चाएं हैं कि बशर का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है या विद्रोहियों ने मार गिराया है। उनका विमान रडार से गायब है। राष्ट्रपति बशर अब कहां हैं? और उनकी पत्नी अस्मा और उनके दो बच्चों का भी कुछ अता–पता नहीं है। वहीं, विद्रोहियों ने सीरिया के प्रधानमंत्री को कैद कर लिया है। सुन्नी विद्रोहियों के सीरिया पर कब्जा करने से रूस और ईरान को झटका दिया है, खासकर ईरान की नींद उड़ा दी है। ये सीरिया के प्रमुख सहयोगी रहे हैं, जिन्होंने 2011 में तहरीर अल–शाम को हराने में सीरिया की मदद की थी।

ईरान के अंग्रेजी भाषा प्रेस टीवी ने रविवार को बताया कि दमिश्क पर कब्जे के बाद सीरियाई विद्रोहियों ने ईरान के दूतावास पर हमला कर दिया। सीरिया की सेना कमान ने रविवार को अधिकारियों को सूचित किया कि असद का शासन समाप्त हो गया है, लेकिन सेना ने बाद में कहा कि वह हामा और होम्स के प्रमुख शहरों और डेरा ग्रामीण इलाकों में ष्आतंकवादी समूहोंष् के खिलाफ कार्रवाई जारी रखे हुए है।

ईरान के मीडिया ने सुन्नी विद्रोहियों को 'काफिर आतंकवादीष् कहने के बजाय उन्हें ष्सशस्त्र समूहष् कहना शुरू कर दिया है और कहा है कि उन्होंने अब तक शिया अल्पसंख्यकों के साथ अच्छा व्यवहार किया है।

तकनीकी प्रशिक्षण के क्षेत्र में रमा टेक्निकल का योगदान महत्वपूर्ण–महेन्द्रनाथ यादव

-पात्रों में किया निःशुल्क कम्प्यूटर का वितरणः 21 वे स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को रमा टेक्निकल कालेज कम्पनीबाग का 21 वाँ वार्षिक समारोह सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच मनाया गया। मुख्य अतिथि सदर विधायक महेन्द्र नाथ यादव एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा मौजूद रहे। विधायक महेन्द्र नाथ यादव ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि तकनीकी शिक्षा किसी देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। निर्माण के हर क्षेत्र में तकनीशियनों की जरूरत होती है। तकनीकी शिक्षा एक विशिष्ट प्रकार का शिक्षा रुप है जिनका व्यक्ति और समाज के साथ अभिन्न समन्वय है। जो शिक्षा विशेष व्यावहारिक ज्ञान और कौशल प्रदान करती है, उसे तकनीकी शिक्षा के रूप में जाना जाता है।

सदर विधायक ने बच्चो को आश्वासन दिया की आप टेक्निकल शिक्षा में निपुण होइये हमारी जहां भी जरूरत होगी हम आपके सहयोग के लिए हमेशा समर्पित रहेंगे। विशिष्ट अतिथि अंकुर वर्मा ने रमा टेक्निकल कॉलेज के डायरेक्टर जी.रहमान को बधाई देते हुए कहा की बस्ती में टेक्निकल शिक्षा देने की ये मात्र एक ऐसी संस्था है जहा आधुनिक तकनीक द्वारा बच्चों को गारन्टी के साथ सिखाकर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराती है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में संस्था के महानिदेशक मंतेष कुमार ने छात्र छात्राओं को पूरी निष्ठा, मेहनत व समर्पण के साथ टेक्निकल प्रशिक्षण हासिल कर तकनीकी दक्षता के साथ जीवन में आगे बढ़ने की सलाह दी। संस्था के निदेशक जी. रहमान ने कहा की संस्था की स्थापना के बाद कुछ वर्षों के सफर मे ही देश के कई राज्यों में उसका विस्तार हो चुका है हमारी ब्रांच विदेशों में भी कदम रख चुकी है।

इसी कड़ी में राजगोपाल मिश्र, रमेश यादव,शमशेर आलम,सुनील कुमार, श्रवण सिंह,जानकी प्रसाद, परवेज आलम,रामतेज वर्मा,कमलेश कुमार,शुभम पाण्डेय,आदित्य कुशवाहा, मशहूर आलम,मनीष चौरसिया,योगेन्द्र यादव को स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया।

ग्रीन फ्यूचर फाउण्डेशन के प्रबन्धक गजालुर रहमान ने ग्रामीण क्षेत्र के जरूरतमंद एवं होनहार बच्चों को कम्प्यूटर के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए निशुल्क कम्प्यूटर सेट वितरित किया।

समाज में नफरत फैला रही है भाजपा– ज्ञानेन्द्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बंटोगे तो कटोगे की सियासत ने द्रेश का माहौल बना दिया है। हर कोई हिंसा पर उतारू है। न्यायिक प्रक्रिया हाशिये पर पहुंच रही है। मौजूदा भाजपा सरकारें देश की धर्मनिरपेक्ष पहचान को खत्म करना चाहती हैं। यह बातें कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू' ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में कही। उन्होने कहा भारत में सभी धर्मो, जातियों को सम्मान दिया जाता है।

हिन्दू मुस्लिम सिक्ख इसाई सभी बगैर किसी भेदभाव के साथ रहते हैं। अपनी इसी छबि के कारण भारत दुनियां भर में सिरमौर है। किन्तु बाटने, काटने की दूषित मानसिकता से हिंसा को बढ़ावा मिल रहा है। हर कोई बांटने काटने में लगा है। कांग्रेस पार्टी ने सभी का सम्मान किया। जाति और धर्म के आधार पर देश के नागरिकों में कोई विभेद नही किया। लेकिन मौजूदा परिवेश बेहद दुर्भायपूर्ण और घातक है। इससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण ये है कि जिसे ऐसी परिस्थितियों में नियंत्रण करना चाहिये वह भी आंख मूंदे बैठा है।

कांग्रेस नेता ने कहा हमारी पार्टी इस दुर्भावना को खत्म कर फिर से मोहब्बत और परस्पर सहयोग का वातावरण तैयार करेगी। इसके लिये हम पूरी एकजुटता से राजनीति, सांस्कृतिक व सामाजिक स्तर पर लड़ाई लड़ेंगे जिससे इस देश का मूल चरित्र और संविधान का मूल ढांचा बरकरार रहे। उन्होने कहा पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनियां गांधी का जन्मदिन कल 09 दिसम्बर को सामाजिक सदभावना के रूप में मनाया जायेगा। इस अवसर पर कांग्रेस दफ्तर पर रक्तदान का आयोजन किया गया है। उन्होने सभी कांग्रेसजनों से सहयोग की अपील किया है।

माध्यमिक शिक्षकों को प्रशिक्षण में दिया जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में चल रहे तीन दिवसीय माध्यमिक शिक्षकों का नवाचारी शिक्षण विधियों के प्रयोग हेतु प्रशिक्षण डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल के निर्देशन में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में जनपद के विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों के गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी और हिंदी विषय के 100 शिक्षक प्रशिक्षित किए गए। संयुक्त शिक्षा निदेशक ओम प्रकाश मिश्र ने कहा कि वर्तमान समय कृत्रिम बुद्धिमत्ता का है ऐसे समय में शिक्षक परंपरागत विधियों तक सीमित नहीं रह सकते उन्हें छात्रों के सामने आधुनिक समय के मांगों के अनुरूप नवीन शिक्षण विधियों के साथ विषय को प्रस्तुत करना चाहिए। डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने कहा कि बदलते समय के साथ शिक्षकों को नवाचारों का प्रयोग करना चाहिए जिससे बच्चों में विषय के प्रति रुचि उत्पन्न हो। प्रशिक्षण में शिक्षकों को विभिन्न विषयों की बारीकियां से अवगत कराया गया। नवाचारी शिक्षण विधियों के माध्यम से सरल व रोचक तरीकों से शिक्षण को प्रभावी बनाए जाने के ढंग पर प्रकाश डाला गया। प्रशिक्षण का संचालन प्रशिक्षण प्रभारी डॉ रविनाथ त्रिपाठी एवं नोडल प्रवक्ता कुलदीप चौधरी ने किया। प्रशिक्षण को सकुशल संपन्न कराने में डायट प्राचार्य शशिदर्शन त्रिपाठी, कल्याण पाण्डेय, अलीउद्दीन एवं सरिता चौधरी ने अपना योगदान दिया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 9 दिसम्बर 2024 सोमवार

सम्पादकीय

किसान आन्दोलन और सरकार

एक बार फिर किसान अपनी मांगों के साथ आंदोलन करने सड़क पर उतर आए हैं। साफ है कि यह प्रश्न और उससे उपजी स्थितियों के प्रति सरकार बहुत ज्यादा सरोकार नहीं रखती। वरना क्या वजह है कि लंबे समय से अपने सवालों पर किसानों के सामने आंदोलन के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता है और सरकार इस मसले पर कोई हल निकालने के आश्वासन से आगे कुछ ठोस करती नहीं दिखती। क्या सरकार की नजर में किसानों के मुद्दे विचार के लायक नहीं हैं या फिर वह इसे सुलझाने के लिए ईमानदारी से कुछ करना नहीं चाहती!

गौरतलब है कि पंजाब और हरियाणा की शंभू सीमा से एक सौ एक किसानों के जत्थे ने शुक्रवार को दिल्ली के लिए पैदल मार्च करना शुरू किया था, लेकिन वहां उन्हें पुलिस ने निषेधाज्ञा लागू होने का हवाला देकर रोक दिया। इसके बाद हुए हंगामे के बीच पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े, जिसमें कुछ किसानों के घायल होने की खबर आई। फिलहाल किसानों ने जत्थे को रोकने की बात कही है। कई इलाकों में इंटरनेट भी निलंबित किया गया। जाहिर है, किसान और सरकार फिर आमने—सामने हैं। किसान एमएसपी के अलावा कर्ज माफी, किसानों एवं खेत मजदूरों के लिए पेंशन और बिजली दरों में बढ़ोतरी न करने की मांग कर रहे हैं। वे 2021 की लखीमपुर खीरी हिंसा के पीड़ितों के लिए न्याय, भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 को बहाल करने और 2020—21 में पिछले आंदोलन के दौरान मारे गए किसानों के परिवारों को मुआवजा दिए जाने की भी मांग कर रहे हैं।

हालांकि किसानों के प्रदर्शन के बीच राज्यसभा में सरकार की ओर से इस बात का भरोसा दिलाया गया है कि वह सभी कृषि उपज को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदेगी। दरअसल, कर्जमाफी, किसान और खेत मजदूरों के लिए पेंशन और बिजली की दरों में बढ़ोतरी न करने के अलावा किसानों की एक मुख्य मांग न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी लागू करने को लेकर है। इस लिहाज से सरकार की घोषणा महत्त्वपूर्ण है। मगर क्या केवल आश्वासनों के बूते समस्या का समाधान निकाला जा सकता है? यह समझना मुश्किल है कि किसानों की मांगों में न्यूनतम समर्थन मूल्य का सवाल पिछले कई वर्षों से बना हुआ है, मगर अब भी सरकार की ओर से कोई स्थायी हल निकालने के बजाय व्यावहारिक कदम उठाने का सिर्फ भरोसा दिया जाता है। जबकि तीन कृषि कानूनों के मुद्दे पर महीनों चले आंदोलन के समय भी इस समस्या के समाधान का आश्वासन दिया गया था। यही वजह है कि किसान अब इस मसले पर कानूनी गारंटी चाहते हैं।

यह जगजाहिर है कि सरकार और किसानों के बीच खींचतान से जो हालात पैदा होते हैं, उससे आम लोग भी बुरी तरह प्रभावित होते हैं। किसानों के दिल्ली कूच करने या फिर उन्हें आगे बढ़ने से रोकने के लिए पुलिस की ओर से किए इंतजामों की वजह से सड़कें बाधित होती हैं। इसका खमियाजा वैसे तमाम लोगों को भुगतना पड़ता है, जो अपने जरूरी काम से गंतव्य की ओर जा रहे होते हैं। सरकार यह सफाई दे सकती है कि आम लोगों का रास्ता किसानों के आंदोलन की वजह से बाधित होता है, लेकिन आखिर किसानों को बार—बार सड़क पर उतरने की नौबत क्यों आती है?

क्या सरकार और आंदोलनकारी किसानों की ओर से ऐसे उपाय नहीं किए जा सकते कि रास्ता और आम लोगों की आवाजाही बाधित न हो? सुप्रीम कोर्ट भी कह चुका है कि किसानों को अपनी मांग रखने का हक है, लेकिन आम लोगों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। दिल्ली में कोई ऐसी जगह निर्धारित की जा सकती है, जहां किसान भी अपने मुद्दों के साथ प्रदर्शन कर सकें। मगर सबसे ज्यादा जरूरी यह है कि सरकार अब किसानों की मांगों को लेकर अपनी ईमानदार इच्छाशक्ति दिखाए और सबकी सहमति पर आधारित कोई स्थायी हल निकाले। लोकतंत्र में सबको अपनी मांगों को लेकर ध्यानाकर्षण का अधिकार है और किसी वर्ग को इससे वंचित नहीं किया जाना चाहिये।

संविधान दिवस की रस्म अदायगी

—योगेन्द्र योगी—

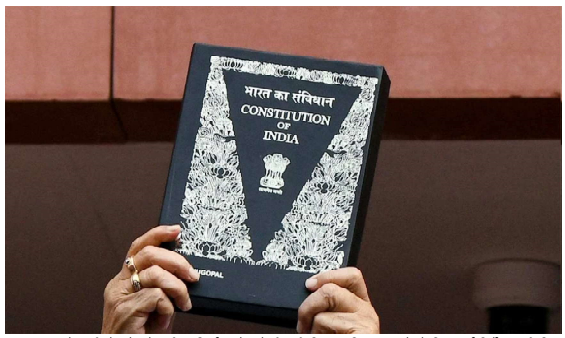

संविधान का दुरुपयोग केंद्र में हर दल की सरकार ने करने की भरसक कोशिश की है। इंदिरा गांधी ने अपनी सत्ता बचाने के लिए देश में आपात्तकाल लगा दिया। संविधान की सरेआम धज्जियां उड़ाने का ऐसा मंजर भारत में कभी देखने को नहीं मिला। 26 नवंबर 1949 को भारत का संविधान पारित किया गया और अपनाया गया। इस दिन को संविधान दिवस या राष्ट्रीय कानून दिवस के रूप में जाना जाता है। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने कहा था कि भारत का संविधान व्यावहारिक, लचीला, और मजबूत है। संविधान में हर समस्या का समाधान है। संविधान भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है। इसके बावजूद आजादी के बाद से केंद्र हो या राज्यों की सरकारें, सभी ने संविधान में मौजूद कानूनों को अपने राजनीतिक फायदों के लिए इस्तेमाल करने में कसर बाकी नहीं रखी। राजनीतिक दलों की सत्ता लोलुपता के कारण संविधान काफी हद तक कानून का पुलंदा बन कर रह गया। राजनीतिक दलों की मनमानी का आलम ही है कि देश आज भी गरीबी, असमानता, अपराध, जनसंख्या बढ़ोतरी, पर्यावरणीय समस्या और बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझ रहा है।

संविधान का दुरुपयोग केंद्र में हर दल की सरकार ने करने की भरसक कोशिश की है। इंदिरा गांधी ने अपनी सत्ता बचाने के लिए देश में आपात्तकाल लगा दिया। संविधान की सरेआम धज्जियां उड़ाने का ऐसा मंजर भारत में कभी देखने को नहीं मिला। इसके बाद केंद्र में लंबे अर्से तक शासन में रही कांग्रेस की सरकार ने संविधान के दुरुपयोग में कोई कसर बाकी नहीं रखी। राज्यों की सरकारों को बर्खास्त करने के लिए आर्टिकल 356 का जमकर दुरुपयोग किया गया। इंदिरा गांधी ने आर्टिकल 356 का 50 बार दुरुपयोग किया। श्रीमती गांधी ने विपक्षी और क्षेत्रीय दलों की सरकारों को गिरा दिया। केरल में वामपंथी सरकार चुनी गई, जिसे नेहरू पसंद नहीं करते थे, उसे गिरा दिया गया। करुणानिधि जैसे दिग्गजों की सरकारें गिरा दी गईं। कुल 90 बार चुनी हुई सरकारों को गिराया गया। कांग्रेस सरकार ने डीएमके और वामपंथी सरकारों को गिराया। बदनियति से संविधान के कानूनों को अपनी सुविधा के हिसाब से बदलने और लागू करने का काम सिर्फ कांग्रेस ने ही नहीं किया, बल्कि केंद्र में शासन में आने के बाद भाजपा भी इसमें पीछे नहीं रही। सर्वोच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में संविधान के 99वें संशोधन और राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) अधिनियम को असंवैधानिक करार देते हुए इसे निरस्त कर दिया और उच्च न्यायालयों तथा सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए पुरानी कॉलेजियम प्रणाली को बहाल कर दिया।

देश के लोगों की सोशल मीडिया के जरिए अभिव्यक्ति और असहमति के अधिकार को केंद्र और राज्यों के कुचलने की कोशिश को सुप्रीम कोर्ट ने नाकाम कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने आईटी एक्ट की धारा ६६ ए को असंवैधानिक करार दिया। अदालत ने सभी राज्यों के पुलिस महानिदेशकों और गृह सचिवों को यह सुनिश्चित करने के लिए कई निर्देश जारी किए कि सभी लंबित मामलों से धारा ६६ ए का संदर्भ हटा दिया जाए। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि प्रकाशित आईटी अधिनियम के बेयरएक्ट्स को पाठकों को पर्याप्त रूप से सूचित करना चाहिए कि धारा 66 ए को अमान्य कर दिया गया है। इस धारा में यह प्रावधान था कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक, उत्तेजक या भावनाएं भड़काने वाली सामग्री डालने पर व्यक्ति को गिरफ्तारी किया जा सकता है, लेकिन शीर्ष अदालत ने इस कानून को संविधान के अनुच्छेद 19.1.ए के तहत बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी के मौलिक अधिकार के खिलाफ बताकर निरस्त कर दिया था।

आरक्षण को लेकर सभी राजनीतिक दल वोटों की राजनीतिक करते रहे हैं। आरक्षण के सही प्रावधानों को लागू करने में भी नेताओं को वोटों का डर सताता रहा है। यही वजह रही है कि आरक्षण के फायदे—नुकसान पर कोई दल किसी तरह की चर्चा तक करने को तैयार नहीं होता। आरक्षण को लेकर राजनीतिक दलों ने संविधान से छेड़छाड़ करने में कसर बाकी नहीं रखी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की बेंच ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के कोटे में कोटा दिए जाने को मंजूरी दी थी। उस दौरान कोर्ट ने कहा था कि एससी—एसटी कैटेगरी के भीतर नई सब कैटेगरी बना सकते हैं और इसके तहत अति पिछड़े तबके को अलग से रिजर्वेशन दे सकते हैं। इसको लेकर पीएम नरेंद्र मोदी से संसद भवन में 100 दलित सांसद मिले। इसके बाद केंद्र ने इसकी घोषणा भी कर दी कि जरूरत पड़ी तो संसद में विधेयक लाया जाएगा, पर आरक्षण के मौजूदा प्रावधानों में कोई बदलाव मंजूर नहीं होगा। हालांकि तमिलनाडु और कर्नाटक ने सुप्रीम कोर्ट के कोटे में कोटा के निर्णय पर अमल का फैसला किया।

इतना ही नहीं संविधान से इतर जाकर राज्यों की सरकारों ने भी वोटों की राजनीति के लिए आरक्षण को हथियार बनाने के प्रयासों में कसर बाकी नहीं रखी। हां, कुछ राज्यों ने निजी क्षेत्र में स्थानीय लोगों के लिए आरक्षण देने का कानून बनाने की कोशिश की है। हालांकि, इन कोशिशों को संवैधानिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। साल 2008 में महाराष्ट्र सरकार ने भूमिपुत्रों को 80 प्रतिशत आरक्षण देने की कोशिश की थी। साल 2019 में आंध्र प्रदेश सरकार ने निजी क्षेत्र में 75 प्रतिशत स्थानीय आरक्षण अनिवार्य करने वाला कानून पारित किया था। साल 2020 में हरियाणा सरकार ने निजी क्षेत्र में 75 प्रतिशत स्थानीय आरक्षण देने का कानून बनाया था। हालांकि, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने इसे असंवैधानिक माना था।

इसी तरह साल 2023 में झारखंड ने निजी क्षेत्र में स्थानीय उम्मीदवारों के लिए 75 प्रतिशत आरक्षण अनिवार्य करने वाला कानून पेश किया था। कर्नाटक सरकार ने भी निजी क्षेत्र में स्थानीय लोगों के लिए आरक्षण देने का विधेयक पेश किया था। हालांकि, उद्योग जगत की प्रतिक्रिया के बाद इसे स्थगित कर दिया गया। संविधान के अनुच्छेद 16(3) के मुताबिक, संसद ही किसी खास राज्य में नौकरियों के लिए निवास की जरूरत तय करने का कानून बना सकती है। संविधान दिवस मनाना महज एक रस्मी रिवायत रह गई है। केंद्र के साथ राज्यों के भी कानूनों से खिलवाड़ करने के ढेरों उदाहरण मौजूद हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश में अपराधी और माफिया का दबदबा इसके उदाहरण हैं। राजनीतिक दलों ने कानून को शर्मसार करते हुए अपराधियों को संरक्षण देने का काम किया है। संविधान के कानूनों का जब तक निष्पक्षता से पालन नहीं किया जाएगा तब तक संविधान दिवस जैसे प्रयास देश की मौजूदा समस्याओं के समक्ष मुंह चिढ़ाने जैसे ही रहेंगे।

दावों और हकीकत के बीच का भ्रम जाल

— तनवीर जाफरी—

बावजूद इसके कि मेडिकल साइंस काफी तरक्की कर चुकी है और नित्य होने वाले अनुसंधानों ने लगभग सभी रोगों के क्षेत्र में सकारात्मक परिणाम भी दिये हैं। यहाँ तक कि कैंसर नामक सबसे घातक बीमारी के क्षेत्र में भी हुये अनेक नए शोध व अनुसंधानों ने कैंसर के मरीजों के इलाज में भी सकारात्मक परिणाम हासिल किये हैं। उसके बावजूद अभी भी कैंसर को दुनिया के सबसे खतरनाक व जानलेवा मर्जों के रूप में गिना जाता है। निश्चित रूप से कीमियोथ्थेरेपी में निरंतर आ रहे सुधारों की कारण बचपन में होने वाले कैंसर के बाद जिंदा रहने वालों की दर में बढ़ोतरी हुई है। यह अमेरिका में अब औसतन 80: या उससे ज्यादा है। हालांकि, दूसरे कैंसर के मामलों में रोग का निदान न होने से हालात अब भी बेहतर नहीं हुए हैं। यही वजह है कि अभी भी वैज्ञानिक कैंसर की आनुवंशिक वजहों और कैंसर कोशिकाओं के खास लक्षणों के बारे में ज्यादा जानने की कोशिश में जुटे हैं। खासतौर पर जब कोई मरीज चौथे स्तर के कैंसर से जूझ रहा होता है तो उसके स्वास्थ्य सुधार की संभावना बेहद कम हो जाती है।

परन्तु हमारे देश में इस खतरनाक मर्ज का इलाज करने के लिये भी विभिन्न स्तरों पर तरह तरह के दावे पेश किये जाते हैं। कैंसर का इलाज निश्चित रूप से मंहगा इलाज है। इसलिये जब किसी गरीब परिवार का सदस्य कैंसर का शिकार हो जाता है और वह धनाभाव के चलते इसका मेडिकल उपचार नहीं करा सकता तो ऐसे गरीब लोगों का इलाज करने के नाम पर लोगों का नेटवर्क पूरे देश में सक्रिय है। कोई जड़ी बूटियों से कैंसर का इलाज करने का दावा करता है तो कोई गोमूत्र या इससे बनी दवाइयां बताकर अपना धंधा चला रहा है। कोई झाड़फूंक में कैंसर का निदान बताता है। हमारे देश में तमाम अनपढ़ अशिक्षित किस्म के लोग और वैद हकीमी का दावा करने वाले अनेकानेक नीम हकीम कैंसर से जूझने वाले मरीजों को गुमराह करने में लगे रहते हैं। इन्हीं मरीजों में कई ऐसे भी होते हैं जो धन संपन्न होने के कारण अपना मेडिकल इलाज भी कराते रहते हैं साथ ही अपने विश्वास के अनुरूप अन्य तरीके के इलाज भी करते रहते हैं। दरअसल आज भी देश का एक बड़ा वर्ग जोकि ज्यादा पढ़ा—लिखा नहीं है, जिसके कारण मरीज अक्सर डॉक्टर से सलाह लेने के बजाय हर्बल नुस्खों का सहारा लेते हैं। ष परन्तु ऐसे मामलों में दिक्कत तब खड़ी हो जाती है जब एलोपैथी के ईलाज से स्वास्थ्य लाभ पाने वाला मरीज अपने आरोग्य लाभ का श्रेय एलोपैथी प्रणाली या मेडिकल साइंस को देने के बजाये अन्य देसी इलाजों या उपायों अथवा प्रकृतिक स्रोतों को देने लगता है। खासकर समाज के लिये उस समय असमंजस्य की स्थिति उत्पन्न हो जाती है जब इस तरहके दावे किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति,जनप्रतिनिधि अथवा यशस्वी व्यक्ति द्वारा किये जायें।

उदाहरण के तौर पर पिछले दिनों पूर्व क्रिकेटर व कांग्रेस के नेता नवजोत सिंह सिद्धू द्वारा अपने अमृतसर स्थित आवास पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाकर यह दावा किया गया कि —श्उनकी पत्नी नवजोत कौर सिद्धू जोकि खुद भी एक डॉक्टर हैं,ने अपने आहार में कुछ चीजें शामिल करके स्टेज चार के लाईलाज कैंसर जैसे मर्ज पर काबू पा लिया है। सिद्धू ने यह घोषणा की कि उनकी पत्नी अब कैंसर से मुक्त हो चुकी हैं। सिद्धू के अनुसार चूंकि उनकी पत्नी के आहार में नींबू पानी, कच्ची हल्दी, सेब का सिरका, नीम की पत्तियां, तुलसी, कद्दू, अनार, आंवला, चुकन्दर और अखरोट जैसी चीजें शामिल थीं, जिससे वह स्वस्थ हो गईं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में किये गये सिद्धू के इन दावों के बाद से ही यह सवाल उठने लगा था कि क्या कच्ची हल्दी, नींबू पानी और नीम की पत्तियों जैसी साधारण आयुर्वेदिक चीजों से भी कैंसर जैसे मर्ज से मुक्ति पाई जा सकती है ? सिद्धू की इस आत्मविश्वास पूर्ण प्रेस वार्ता के बाद सोशल मीडिया पर सिद्धू के दावों को लेकर बहस छिड़ी तो आखिरकार टाटा मेमोरियल अस्पताल मुंबई के 262 कैंसर विशेषज्ञों समेत अनेक पूर्व कैंसर विशेषज्ञों को सामने आना पड़ा। इन सभी कैंसर विशेषज्ञों ने सिद्धू के दावों से पूरी तरह असहमति जताई और कहा कि इन बयानों का समर्थन करने का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। इन कैंसर विशेषज्ञों ने लोगों से अपील भी की कि वे अप्रमाणित उपचारों का पालन न करें और अपने इलाज में देरी न करें। बल्कि, यदि किसी को अपने शरीर में कैंसर के कोई भी लक्षण महसूस होते हैं, तो उनको डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। और यह सलाह भी एक कैंसर विशेषज्ञ से लेनी चाहिए। ष

इससे पहले मध्य प्रदेश की पूर्व सांसद प्रज्ञा ठाकुर जोकि स्वयं कैंसर से पीड़ित थीं और कैंसर विशेषज्ञों के उपचाराधीन थीं। परन्तु जब उन्हें दवा इलाज से आंशिक स्वास्थ्य लाभ मिला तो उन्होंने इसका श्रेय मेडिकल उपचार को देने के बजाये श्गाय के शरीर पर हाथ फेरनेश को दे दिया। प्रज्ञा ठाकुर ने बाकायदा टी वी कैमरे के सामने गाय पर हाथ फेर कर यह भी बताया कि स्वास्थ्य लाभ पाने के लिये गाय पर हाथ फेरने का सही तरीका क्या है ? इस तरह के निराधार दावे यदि आम लोगों की तरफ से किये जाएँ तो भले ही लोग उस पर तवज्जोह न दें परन्तु जब यही बातें किसी सेलेब्रेटी द्वारा की जाने लगें तो आम लोगों में ऐसे दावों पर चर्चा होना स्वाभाविक है। समाज में ऐसे दावों को लेकर केवल चर्चा ही नहीं होती बल्कि ऐसे सेलेब्रेटीज के अनेक प्रशंसक भी उन अप्रमाणित दावों के पीछे चल पड़ते हैं। वे ऐसे दावों पर तुरंत विश्वास कर लेते हैं। और खुद भी ऐसे ही अप्रमाणित इलाज करने की कोशिश करते हैं।यह कदम बहुत ही हानिकारक हो सकता है। क्योंकि कैंसर का इलाज तभी संभव है जबकि इसका इलाज सही समय पर शुरू कर दिया जाये। परन्तु वे अप्रमाणित इलाज के चक्करों में पड़कर सही समय पर शुरू होने वाले उपयुक्त इलाज से महरूम रह जाते हैं और कैंसर जैसा जानलेवा मर्ज धीरे धीरे शरीर में अपनी जड़ें और भी गहरी कर लेता है। इसलिये किसी भी प्रतिष्ठित व यशस्वी व्यक्ति को ऐसे अप्रमाणित व निराधार दावों से बचना चाहिये क्योंकि समाज ऐसे दावों और हकीकत के बीच भ्रमित रहता है।

सेना में महिलाओं की भागीदारी

—ब्रिगे. कुलदीप सिंह काहलों (रिटा.)

सशत्र सेनाओं में स्थायी कमिशन और पदोन्नति प्राप्त करने के उपरांत यूनिट कमांड के साथ युद्ध के मैदान में भी उतारने की तैयारी है जोकि एक संवेदनशील मुद्दा है। अब तो महिलाओं के लिए आर्मी एविएशन, एयर डिफैंस और वर्तमान में तोपखाना जोकि लड़ाकू सेना का हिस्सा है, उसने भी महिलाओं के लिए दरवाजे खोल दिए हैं। सेना में एक अधिकारी कर्नल रैंक तक पदोन्नति का हकदार तो हो सकता है मगर पल्टन की कमांड करने वाले मापदंड अलग होते हैं।

पिछले कुछ दिनों से सैन्य कल्याण और महिला सैनिकों से संबंधित 2 बड़ी खबरें पढने को मिलीं। पहली 26 नवम्बर को एक जनरल आफिसर कमाडिंग इन चीफ (जी.ओ.सी. इन सी.) की ओर से पंजाब के मुख्यमंत्री को प्रकाशित की गई चिट्ठी थी। दूसरी खबर 1 दिसम्बर को एक कोर कमांडर की ओर से अपने जी.ओ.सी. इन सी. को लिखी चिट्ठी से संबंधित थी जो चर्चा का विषय बनी। सेना के आरंभिक प्रशिक्षण के समय हमें यह दृढ़ निश्चय करवाया जाता है कि हथियार को खोलते या फिर उसे जोड़ते समय जो हिस्सा बाद में खुलता है वह पहले जुड़ता है। दोनों पहलू सेना के साथ संबंधित होने के कारण मेरी कलम महिलाओं की सेना में भागीदारी की ओर चल पड़ी। हो सकता है कि पहले विषय को कुछ दिनों बाद कलमबद्ध किया जाए।

लैफ्टिनैंट जनरल राजीव पुरी जी.ओ.सी. पानागढ़ कोर कमांडर ने अपनी पूर्वी कमान के जी.ओ.सी. इन सी. लै. जनरल राम चंद्र तिवाड़ी को महिला कमांड्क्षडग अधिकारियों (सी.ओ.) के बारे में ड्क्षचता जाहिर करते हुए एक डी.ओ. लैटर लिखा। कोर कमांडर ने अपनी कमांड के अंतर्गत 8 कमांडिंग अधिकारियों (महिलाओं) की कारगुजारी के बारे में की गई समीक्षाओं के आधार पर जो तथ्य मुख्य रूप से सामने आए उनका जिक्र करते हुए कुछ इस तरह लिखा गया, ''महिला सी.ओज. के कमांड करने वाली योग्यता, ड्रिलों में परस्पर हुनर और सम्पर्क की कमी।''

यहां तक कि यूनिट हित में निर्णय लेने के समय वरिष्ठ पुरुष अधिकारियों को भी भरोसे में न लेना तानाशाह वाला रवैया दर्शाता है। बढ़ा—चढ़ा कर शीर्ष अधिकारियों को शिकायत करने वाली प्रवृत्ति अनाधिकृत तौर पर पद की धौंस और उसके इस्तेमाल जैसे कुछ अन्य तथ्य भी सामने आए हैं। सवाल पैदा यह होता है कि इस किस्म की स्थिति क्यों पैदा हुई और इसका समाधान क्या है?

भूमिका – भारत सरकार ने वर्ष 1992 में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए महिलाओं को स्पैशल स्कीम के अंतर्गत लड़ाकू सेना को सहायता प्रदान करने वाली शाखाएं जैसे कि सप्लाई, आर्डीनैंस, शिक्षा, सिग्नल, न्याय प्रणाली, इंजीनियर, इंटैलीजैंस जैसे विभागों में शार्ट सध्वस कमिशन्ड अधिकारियों के तौर पर भर्ती करनी शुरू कर दी। वर्ष 1993 के प्रथम बैच में 25 महिला अधिकारियों ने कमिशन प्राप्त किया। पिछले कुछ समय से सेना में महिलाओं की भूमिका को लेकर एक बहस छिड़ी हुई है। विशेष तौर पर जब वर्ष 2003 में कुछ महिला अधिकारी यह मामला हाईकोर्ट में ले गईं और उन्होंने यह वकालत की कि उन्हें पुरुष सैन्य अधिकारी, नर्सों तथा मैडीकल अधिकारियों की तरह स्थायी कमिशन दिया जाए और सेना में भेदभाव बंद हो।

हाईकोर्ट ने उनकी दलील मंजूर कर ली। इस फैसले के उपरांत सेना ने वर्ष 2012 में सुप्रीमकोर्ट में एक हल्फनामा दायर कर यह कहा कि सैद्धांतिक तौर पर सेना में महिलाओं की भागीदारी वाली बात अच्छी तो लगती है मगर वास्तविक रूप में यह अनुभव भारतीय सेना में सफल नहीं हुआ और हमारा समाज विशेष तौर पर युद्ध के दौरान महिलाओं को लड़ाकू रूप में प्रवान करने के लिए तैयार नहीं। खैर, सुप्रीमकोर्ट ने मार्च 2020 को भेदभाव खत्म करने के नजरिए से हथियारबंद सेनाओं में महिलाओं को स्थायी कमिशन उपलब्ध करवाने के साथ—साथ कमांड संभालने का रास्ता साफ करते हुए सरकार को आदेश दिया कि वह इस निर्णय को लागू करे।

जानकारी के अनुसार इस समय सेना में 1740, वायु सेना में 1600, नौसेना में 530 और आर्मी मैडीकल कोर (ए.एम.सी.) में 6430 के करीब महिला अधिकारी हैं। वर्ष 2023 में 108 महिला शार्ट सर्विस कमिशंड अधिकारियों को लैफ्टिनैंट कर्नल तक की पदोन्नति दे दी गई जिनमें से कुछ को यूनिट कमांड करने के लिए चुना गया। अब जबकि जनरल राजीव पुरी ने अपनी कमांड के अंतर्गत 8 महिला सी.ओ. के बारे में फीड बैक अपने शीर्ष अधिकारियों को दिया फिर मीडिया को और क्या चाहिए था? मीडिया को एक सैन्य मुद्दा भी मिल गया। वास्तव में एक राष्ट्रीय स्तर वाला टी.वी. चौनल तो 26 नवम्बर वाली मुख्यमंत्री को दी चिट्ठी के बारे में मेरा इंटरव्यू भी ले गया।

बाज वाली नजर – महिलाओं को सशत्र सेनाओं में स्थायी कमिशन और पदोन्नति प्राप्त करने के उपरांत यूनिट कमांड के साथ युद्ध के मैदान में भी उतारने की तैयारी है जोकि एक संवेदनशील मुद्दा है। अब तो महिलाओं के लिए आर्मी एविएशन, एयर डिफैंस और वर्तमान में तोपखाना जोकि लड़ाकू सेना का हिस्सा है, उसने भी महिलाओं के लिए दरवाजे खोल दिए हैं। सेना में एक अधिकारी कर्नल रैंक तक पदोन्नति का हकदार तो हो सकता है मगर पल्टन की कमांड करने वाले मापदंड अलग होते हैं।

पुरुष अधिकारी को कमांड सौंपने से पहले उसकी सख्त ट्रेनिंग, देखभाल, विभिन्न पदों पर तैनाती, पल्टनध्कंपनी की कमांड के समय उपलब्धियां, सैंकड़ों की गिनती में अधिकारियों और जवानों के अंदर तालमेल कायम करके युद्ध के मैदान में नेतृत्व करने की क्षमता आदि होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि अब जबकि सैनिक स्कूल और एन.डी.ए. में एंट्री के लिए लड़कियों का रास्ता सही हो गया है तो यह बेहतर होगा कि अगर पुरुषों की तरह बिना किसी भेदभाव से उनके लिए संयुक्त मापदंड तय करके पुरुषों की तरह ट्रेनिंग और योग्यता के आधार के अनुसार कमांड के लिए चयन किया जाए। –ब्रिगे. कुलदीप सिंह काहलों (रिटा.)

अमटौरा जाने से पहले फरेंदा विधायक को पुलिस ने किया हाउस अरेस्ट

संवाददाता–महराजगंज। गोरखपुर के गीडा के ग्राम अमटौरा में पीड़ित परिवार से मिलने जाने की सूचना पर पुलिस ने फरेंदा विधायक वीरेन्द्र चौधरी को हाउस अरेस्ट कर लिया। विधायक को पुलिस निगरानी में रखा गया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर विधायक के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल आमटौरा जाकर पीड़ित परिवार से मिलने वाला था, जहां निषाद परिवार के एक सदस्य की हत्या के बाद उसके मकान को जलाने की घटना हुई है। वहीं, पुलिस को कहना है कि विधायक को हाउस अरेस्ट नहीं किया गया। उनको एक विशेष कार्यक्रम में जाने से रोका गया और बाद में पुलिस हटा ली गई। विधायक के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल के अमटौरा जाने की जानकारी शनिवार को ही गोरखपुर प्रशासन को हो गई थी। गोरखपुर प्रशासन की सूचना पर फरेंदा पुलिस बड़ी संख्या में शनिवार की रात ही विधायक के पैतृक गांव सिंहपुर अयोध्या पहुंचकर उनके आवास के आसपास तैनात हो गई। विधायक का कहना है कि उनको पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया और उनको अपनी कड़ी निगरानी में रखा। रविवार शाम तक पुलिस उनके आसपास मौजूद थी। यहां तक कि उनको एक कार्यक्रम में जाना था तो सीओ नौतनवा व एसओ फरेंदा पुलिस फोर्स के साथ–साथ रहे।

विधायक ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। कहा कि पुलिस के बल पर पीड़ितों की आवाज नहीं दबाई जा सकती है। कहा कि जिस पावर से पुलिस ने उन्हें हाउस अरेस्ट किया, उसी पावर व समय से पीड़ितों को न्याय दिलाने में सरकार को ध्यान देना चाहिए था। कहा कि इस मामले को अब प्रदेश कांग्रेस ने संज्ञान लिया है तो निश्चित रूप से न्याय दिलाने तक मुहिम जारी रहेगी। इस मामले में फरेंदा एसओ प्रशांत कुमार पाठक का कहना रहा कि विधायक को हाउस अरेस्ट नहीं किया गया था। एक विशेष कार्यक्रम में जाने से उन्हें रोका गया था। पुलिस को हटा लिया गया है।

नवजात को पिलाई पोलियो की दवा, बच्चों में टाफी बांटी

संवाददाता–गोण्डा। जनपद में पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ रविवार को जिला महिला अस्पताल से जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने नवजात को दवा पिलाकर किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने फीता काटकर अभियान की शुरुआत की और बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक के साथ टाफी एवं बिस्कुट भी वितरित किया।

डीएम ने सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों से कहा कि वे अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ें और सुनिश्चित करें कि कोई भी बच्चा इस खुराक से वंचित न रहे। जागरूकता अभियान भी चलाएं। उन्होंने बताया है कि पल्स पोलियो अभियान के तहत 0 से 05 साल तक के जनपद के लगभग 5,68,000 बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक दी जाएगी। इस अभियान का उद्देश्य बच्चों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारियों से बचाना है। इस अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षा विभाग को भी इस अभियान में जोड़ा गया है, स्कूल खोलने और बच्चों को बुलाने के लिए भी इसकी जिम्मेदारी दी गई है, ताकि वे घर–घर जाकर सभी बच्चों को खुराक पिला सकें और अभियान को सफल बनाया जा सके।

उन्होंने बताया कि इस अभियान को 08 दिसंबर से 13 दिसंबर तक चलाया जायेगा और इसका लक्ष्य जिले के सभी बच्चों तक पहुंच कर उन्हें पल्स पोलियो अभियान से जोड़ा जाएगा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने सभी अधिकारियों को यह निर्देश दिया है कि हर घर तक पहुंचकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाए ताकि 100 प्रतिशत बच्चों को इस अभियान का लाभ मिल सके। कार्यक्रम के दौरान सीएमओ डॉ. रश्मि वर्मा, एडी हेल्थ, एसीएमओ डॉ. आदित्य वर्मा, डॉ. जय गोविंद, डॉ. पंकज तिवारी, डॉ. आरपी सिंह, डॉ. शेष नाथ सिंह आदि रहे।

एसएसबी और पुलिस ने नशीली दवा के साथ युवक को पकड़ा

संवाददाता–महराजगंज। निचलौल कस्बा सटे चमनगंज चौराहे के पास एसएसबी और पुलिस की टीमों ने संयुक्त अभियान में एक युवक को 300 टेबलेट नशीली दवाओं के साथ पकड़ लिया है। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है। एसएसबी शीतलापुर के एसआई जयकृष्ण शर्मा के नेतृत्व में टीम गश्त पर निकली थी। इस बीच सूचना मिली कि एक युवक चमनगंज चौराहे के पास प्रतिबंधित सामानों के साथ खड़ा है और नेपाल के जाने की योजना में है। सूचना पर टीम मौके पर पहुंची और पुलिस को भी सूचित कर दिया। पुलिस और एसएसबी की टीम जैसे ही मौके पर पहुंची, तो एक युवक बताए गए स्थान पर खड़ा था और टीम को देखकर भागने लगा। टीम ने उसे दौड़ाकर पकड़ लिया और पूछताछ में युवक ने अपना नाम पता बताया और नशीली दवा रखने की बात स्वीकार किया। जांच पड़ताल के दौरान उसके पास एक थैले में चार बंडल नशीली दवा पाई गई, जो 300 टेबलेट थी।

नाले किनारे मिली खून से लथपथ महिला की लाश

संवाददाता–श्रावस्ती। जिले मे महिला की निर्मम हत्या कर दी गई। रविवार को खून से लथपथ उसकी लाश नाले किनारे पड़ी मिली। लोगों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी। खबर फैली तो गांव के लोग जमा हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करके जानकारी जुटाई। घटना इकौना थाना क्षेत्र के सेमगढ़ा गांव की है। गांव के निकट संधी नाले में किनारे खून में लथपथ महिला की लीश पड़ी थी। उसके हाथों पर परिवारवालों का नाम लिखा मिला। चेहरे और गले पर चोट के निशान मिले।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके साक्ष्य जुटाए। मौजूद लोगों से बात करके जानकारी ली। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

सांधी नाले से बरामद हुआ महिला का शव

संवाददाता–श्रावस्ती। सांधी नाले में अज्ञात महिला का शव उतराता देखा गया। लोगों की ओर से मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने नाले से शव निकाल पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इकौना थाना क्षेत्र के ग्राम जगरावलगढ़ी के पास सांधी नाला बह रहा है। रविवार सुबह नाले में किसी महिला का शव उतरा रहा था। नाले के पास से गुजर रहे लोगों की नहर नाले में उतरा रहे महिला के शव पर पड़ी। शव देख लोगों ने पुलिस को सूचित किया। सूचना पर इकौना क्षेत्राधिकारी सतीश कुमार शर्मा, प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार दूबे, कस्बा प्रभारी अमित सिंह पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नाले से बाहर निकलवाया। पुलिस की ओर से शव की शिनाख्त शुरू की गई। काफी देर तक प्रयास के बाद भी शव की पहचान नहीं हो पाई। वहीं मामले की जानकारी होने पर एएसपी प्रवीण कुमार यादव घटनास्थल पर पहुंचे और घटना का जायजा लिया। फारेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य संकलन किया। इसके बाद कागजी कार्रवाई पूरा करते हुए पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेल दिया। एएसपी ने बताया कि नाले में अज्ञात महिला का शव मिला है। जिसकी पहचान नहीं हो पाई है। पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पहचान कराने की कोशिश की जा रही है।

गांवट मंदिर के निकट अल बैक रेस्टोरेंट को लेकर विहिप में उबाल

संवाददाता–बहराइच। शहर स्थित सिविल लाइन पानी टंकी स्थित गांवट माता स्थल से कुछ दूरी पर सऊदी अरब की अल बैक चेन का मांसाहारी फास्ट फूड रेस्टोरेंट खुलने से विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल व अन्य फ्रंटल संगठनों में उबाल है। महालीपुरा में मवेशियों के वध पर भी गहरी नाराजगी जताई गई। विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकारी जिला अध्यक्ष अजय कुमार सिंह अज्जू के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को नगर मजिस्ट्रेट शालिनी प्रभाकर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा है। देहात कोतवाली के सिविल लाइन पानी टंकी के पास श्रीदेवी मां गांवट स्थान के साथ–साथ भगवान शिव मंदिर भी है। इसके निकट सऊदी अरब की एक फास्ट फूड रेस्टोरेंट खोल दिया गया है। यहां विभिन्न प्रकार के नॉन विजिटेरियन व्यंजन परोसा जा रहा है। कहा कि खुलने से हमारे पवित्र धार्मिक स्थल की पवित्रता बाधित हो रही है।

नेपाली कसीनो से अंधकार मय हो रहा युवाओं का भविष्य, व्यापार तक कर चुके चौपट

संवाददाता–बहराइच। भारत–नेपाल सीमा से सटे क्षेत्रों में कसीनो जाकर जुआ खेलने का प्रचलन बढ़ता ही जा रहा है। रूपईडीहा कस्बा के भी कुछ लोग कसीनो जाकर अपना व्यापार चौपट कर चुके हैं। सीमा क्षेत्र के नेपालगंज में नित नए खुल रहे कसीनो में जाकर भारतीय युवा जीतने की चाहत में अपना धन के साथ–साथ भविष्य समाप्त करते जा रहे हैं।

बीते दिनों पुलिस ने भी एक बाइक चोर गैंग पकड़ा था जिसमें पकड़े गए आरोपियों ने नेपाली कसीनो जाने की लत के चलते अपराध करने की बताई थी। रूपईडीहा प्रभारी निरीक्षक दद्दन सिंह का कहना है कि सीमा क्षेत्र से निकलने वाले संदिग्धों की पुलिस टीम लगातार निगरानी करती है। समय समय पर कार्रवाई भी होती है। भारत में जुआ खेलना अपराध माना जाता है। इसी के चलते जुआरी नेपाली क्षेत्रों की ओर कूच कर रहे हैं। गांव, देहात में भी जो जुआरी जुआ खेला करते थे उनकी भी लत कसीनो की चकाचौंध में जाकर फंस गई है। वह अपना घर द्वार, प्रॉपर्टी बेचकर कसीनो से भारी रकम जीतकर लाने की चाहत में कुछ बर्बाद कर रहे हैं। नेपालगंज में कसीनो की भरमार जुवारियों की इस चाहत के कारण ही पहले कसीनो केवल काठमांडू में ही हुआ करता था।

लेकिन बढ़ते मुनाफे को देखते हुए नेपालगंज इलाके के सभी प्रमुख होटलों में खोलने की ललक पैदा हो गई है। इसलिए जितने भी बड़े होटल नेपाल में हैं उनमें कसीनो की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती हुई देखी जा रही है। यही नहीं इन कसीनो में लखनऊ ,लखीमपुर ,बहराइच ,सीतापुर,जयपुर, राजस्थान, दिल्ली गुजरात आदि से भारी मात्रा में जुआरी आते हैं। इन कसीनो में समय–समय पर विभिन्न प्रकार के रंगारंग कार्यक्रम व मुफ्त में मिलने वाली महंगी शराब व भोजन भी युवाओं को आकर्षित करने का काम करते हैं।

84 कोसी परिक्रमा से लौट संतों का वैद्य मंदिर महंत राजेंद्र दास ने किया स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अगहन मास की प्रतिपदा से प्रारंभ हुई अयोध्या की 84 कोसी परिक्रमा अगहन मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को श्री रामकोट की परिक्रमा हनुमान जी महाराज और श्री राम लला के दर्शन पूजन के बाद श्री राम पथ पर स्थिति श्री वैद्य मंदिर श्री राम जी के विशेष पूजन के साथ संपन्न हुई। वैद्य मंदिर के पीठाधीश्वर महंत राजेंद्र दास महाराज ने 84 कोसी परिक्रमा कर रहे हजारों परिक्रमार्थियों का स्वागत सत्कार किया।कार्तिक पूर्णिमा पर दूसरी बार श्री चित्रकूट 84 कोसी परिक्रमा समिति द्वारा श्री अयोध्या धाम की 84 कोसी परिक्रमा यात्रा का शुभारंभ वैद्य मंदिर अयोध्या धाम से लगभग लगभग एक हजार श्रद्धालुओं के साथ महंत गोविंद दास महाराज के नेतृत्व में मखौड़ा धाम के लिए रवाना हुआ था जिसका समापन आज अगहन मास के अष्टमी तिथि को अयोध्या में हुआ। महंत राजेंद्र दास महाराज ने बताया कि इस वर्ष शीतकालीन परिक्रमा का यह दूसरा वर्ष था जिसमें हजारों श्रद्धालु सीताराम नाम जपते हुए परिक्रमा पूरी किया और अयोध्या में आश्रम पर उनका भव्य स्वागत हुआ अगले वर्ष यह परिक्रमा पुनः प्रारंभ होगी और संख्या इस वर्ष से कई गुना अधिक होगी।

महंत गोविंद दास महाराज ने बताया कि शीतकालीन 84 कोसी परिक्रमा बहुत ही आनंददायक रही सभी संत सीताराम नाम करते हुए प्रभु की परिक्रमा पूरी की जहां–जहां रात्रि निवास हुआ वहां स्थानीय लोगों ने स्वागत सत्कार किया और सभी संत महंत परिक्रमा में शामिल श्रद्धालु बड़े ही उत्साह के साथ परिक्रमा किया और अगले वर्ष यह संख्या लगभग चौगुनी होगी और अब प्रत्येक वर्ष कार्तिक मास की पूर्णिमा को अयोध्या से परिक्रमा रवाना होगी जो सीताराम नाम जप करते–करते पूरी होगी। उन्होंने बताया परिक्रमा में कोई परेशानी नहीं हुई सभी लोगों का सहयोग मिलता रहा और सबसे अधिक सहयोग अयोध्या श्री वैद्य मंदिर के पीठाधीश्वर महंत राजेंद्र दास जी महाराज का रहा।

कूर्बानी बेकार नहीं जाने देगा अटेवा पेंशनर बचाओ मंच

संवाददाता–महराजगंज। अटेवा पेंशन बचाओ मंच के शिक्षक, कर्मचारियों ने पेंशन आंदोलन के प्रणेता शहीद पेंशन पुरुष डॉ राम आशीष सिंह की 8वीं पुण्य तिथि के अवसर पर जिला परिषद मार्केट में कार्यक्रम आयोजित किया। जिले भर से आए विभिन्न विभागों के शिक्षक कर्मचारी ने जिला परिषद मार्केट में गांधी प्रतिमा के पास पुष्प माला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। संगठन मंत्री राजेश जायसवाल व मंडल अध्यक्ष नवीन श्रीवास्तव ने कहा कि हम उनकी कुर्बानी को व्यर्थ नहीं जाने देंगे। जिलाध्यक्ष टीपी सिंह ने शहीद के बारे में जानकारी दी। जिला महामंत्री शिव सरन सिंह ने बताया कि आज पुरानी पेंशन कर्मचारियों के जीवन मरण का सवाल है। जिला उपाध्यक्ष देवेश पाण्डेय और शिव प्रताप सिंह ने कहा अटेवा के लाखों कर्मचारी पूरी ताकत से संघर्ष कर पुरानी पेंशन बहाल करायेंगे।

जिला कोषाध्यक्ष राघवेन्द्र गुप्ता व जिला मीडिया प्रभारी सुधीर त्रिपाठी ने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब पुरानी पेंशन बहाल होगा। यही इस अवसर पर विवेक कुशवाहा,अशोक पटेल, सुभाष यादव, डॉ शांति शरण मिश्र, प्रणव द्विवेदी, हरि नारायण यादव, राम निवास, विपिन बिहारी, मनोज आर्य, चंदन, वैभव द्विवेदी, कैलाश गुप्ता, शक्ति शरण पाठक, विपिन कुमार, प्रदीप वर्मा, जनार्दन सिंह, भरत विश्वकर्मा, दिनेश गुप्ता, विनोद कुमार, सुनील गौतम आदि मौजूद रहे।

किसी भी दशा में बाधित न हो बिजली आपूर्ति-डीएम

संवाददाता–श्रावस्ती। बिजली कर्मचारियों की हड़ताल के समय में बिजली व्यवस्था दुरुस्त रखने को डीएम ने अधिकारियों संग बैठक की। उन्होंने विद्युत उपकेन्द्र पर कर्मचारियों को उपस्थित रहने को कहा। साथ ही निर्बाध रूप से बिजली आपूर्ति किए जाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने रविवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्युत आपूर्ति किसी भी दशा में बाधित न होने पाये। इसका विशेष ध्यान रखा जाए। प्रत्येक उपकेन्द्र पर सभी कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज की जाय। जिससे लोगों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति होती रहे। उन्होंने तैनात अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वह अपने तैनाती विद्युत उपकेन्द्र पर शान्ति व्यवस्था बनाए रखें व विद्युत व्यवस्था को बहाल रखें। समय–समय पर आवश्यक सूचना जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, अपर जिलाधिकारी व सम्बन्धित उप जिला मजिस्ट्रेट को बिना देरी के उपलब्ध कराएंगे। डीएम ने जनपद वासियों से अपील किया है कि विद्युत हड़ताल अवधि में सभी लोग धैर्य व संयम रखें और शान्ति व्यवस्था बनाएं रखें। कोई भी ऐसा कार्य न करें, जिससे अमन–चैन में बाधा उत्पन्न होने की आशंका हो। इस मौके पर अभिशासी अभियंता विद्युत सहित समस्त उपखण्ड अधिकारी व अन्य अभियंता मौजूद रहे।

खड़ी डंपर में पीछे से घुसी बाइक युवक की दर्दनाक मौत

संवाददाता–बहराइच। बहराइच जिले के जरवल रोड गोंडा बहराइच हाईवे पर एक ढाबे के पास डंपर खड़ी थी। गोंडा की तरफ से आ रहा बाइक सवार देर रात पीछे से जाकर घुस गया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर घायल को एंबुलेंस की सहायता से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद बहराइच मेडिकल कॉलेज के लिए डॉक्टर ने रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज ले जाते समय रास्ते में युवक की मौत हो गई। जरवल रोड थाना के गांव बरुहा के रहने वाले मोहित उर्फ दीपक 30 वर्ष पुत्र रामनरेश वर्मा किसी काम से कर्नलगंज गए थे। शनिवार की देर रात वह अपने घर वापस लौट रहे थे। जरवल रोड थाना क्षेत्र में एक ढाबे के निकट खड़ी डंपर में कोहरा होने के कारण उनकी बाइक डंपर में पीछे से जाकर घुस गई। डंपर में बाइक भिड़ने की तेज आवाज सुनकर आसपास लोग दौड़कर मौके पर पहुंच गए। बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया था। जिसे तत्काल इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां पर हालत काफी नाजुक होने पर डॉक्टर ने उसे बहराइच मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज ले जाते समय रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना परिजनों को मिलते ही पूरे परिवार में कोहराम मच गया।

इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक थाना जरवल रोड ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। तहरीर मिलने पर केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पश्चिम नेपाल के दौरे पर नेपालगंज पहुंचे पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह

संवाददाता–बहराइच। नेपाल के पूर्व नरेश ज्ञानेन्द्र शाह देव पश्चिम नेपाल के विभिन्न धार्मिक स्थलों का भ्रमण व क्षेत्र के प्रमुख लोगों से मेल मिलाप के लिए सक्रिय हैं। वे 3 दिन पूर्व ही सपरिवार नेपालगंज आ चुके थे। राज संस्था के प्रति आस्था रखने वाले लोगों से नियमित मिल रहे हैं। शनिवार शाम उन्होंने नेपालगंज के वागेश्वरी मंदिर में माता के दर्शन किए।

नेपालगंज को स्थायी निवास बनाकर वे लगभग एक माह पश्चिम नेपाल के विभिन्न जिलों में धार्मिक भ्रमण व लोगों से मिलने का कार्यक्रम लेकर नेपालगंज आए हैं। उनके साथ पूर्व रानी कोमल राजलक्ष्मी सहित परिवार के कई सदस्य शामिल रहे। मंदिर में परिवार सहित उन्होंने विशेष पूजा पाठ व धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न किए। 10 दिसंबर से बर्दिया में होने जा रहे महायज्ञ व महायज्ञ में वे शामिल होंगे। 14 दिसंबर को वे दांग जिले की धारापानी नामक स्थान पर लोगों से मिलेंगे। यह जानकारी उनके निजी सचिव ने दी है।

श्री वेद मंदिर पहुंचे बृजभूषण शरण सिंह स्वामी रामकुमार दास को अर्पित की श्रद्धांजलि

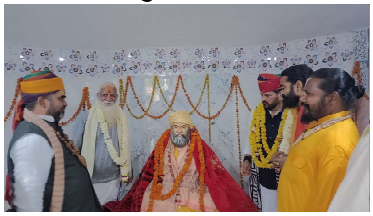

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। संतों की सराय श्री धाम अयोध्या में हजारों भजनानंदी संत हुए जिन्होंने अपने त्याग तपस्या और सेवा के बल पर भारत ही नहीं बल्कि विश्व का ध्यान अपने तरफ आकर्षित किया और आज भी उनके दर्शन पूजन के लिए लोग आश्रम पर पहुंचकर श्री महाराज जी को अपनी श्रद्धा निवेदित करते हैं इन्हीं आश्रमों में से एक श्री वेद मंदिर आश्रम है जो भगवान श्री राम की जन्म भूमि से मात्र 500 मी दूरी पर रामकोट मोहल्ले में स्थित है जिसकी स्थापना श्री वेद मंदिर सेवा ट्रस्ट, रामकोट के संस्थापक अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी रामकुमार दास महाराज ने किया था और उनके उत्तराधिकारी वर्तमान पीठाधीश्वर महंत रामनरेश दास महाराज ने अपने उत्तराधिकारी के रूप में कन्हैया दास का चयन किया और श्री महाराज जी से और उत्तराधिकारी कन्हैया दास से आशीर्वाद लेने पहुंचे कैसरगंज के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि यह वही स्थान है जहां निरंतर संतों की सेवा स्वामी रामकुमार दास महाराज के जमाने से होती आ रही है और वर्तमान में भी हो रही है मैं भी स्थान में छात्र जीवन से आ रहा हूं और आज भी यहां उतना ही प्रेम प्राप्त होता है इस अवसर पर बृजभूषण शरण सिंह ने स्वामी रामकुमार दास महाराज को भी पुष्पांजलि अर्पित की। महंत राम नरेश दास महाराज ने पूर्व सांसद को माला पहनकर स्वागत किया और कहा कि आश्रम का निर्माण ही सेवा के लिए होता है गुरुदेव भगवान अयोध्या ही नहीं बल्कि पूरे भारत में सैकड़ो स्थान बनाए और उनके लाखों शिष्य हैं और सभी को केवल सेवा की प्रेरणा देते थे की सेवा में ही सब कुछ है और सेवा से ही सब कुछ प्राप्त किया जा सकता है। मैं भी अपने शिष्यों को यही शिक्षा देता हूं कि भगवान के भजन के साथ आश्रम में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की सेवा होनी चाहिए क्योंकि हम प्रभु राम के सेवक हैं और प्रभु राम के दरबार से कोई निराश नहीं गया। कन्हैया दास ने कहा कि गुरुदेव भगवान के आशीर्वाद से उन्हीं के पद चोन पर चलता रहूंगा।इस मौके पर रामायणी गोवर्धन दास समेत अन्य साधु–संत एवं भक्तजन मौजूद रहे।

पिकअप ने रिटायर्ड स्वास्थ्य कर्मी को कुचला, मौत

संवाददाता–देवरिया। गौरीबाजार में एक रिटायर्ड स्वास्थ्य कर्मी खरखर प्रसाद गुप्ता (70) की तेज रफ्तार पिकअप द्वारा कुचलने से मौत हो गई। घटना रविवार सुबह की है जब वे टहलने निकले थे। रिटायर्ड स्वास्थ्य कर्मी को रविवार की सुबह तेज रफ्तार पिकअप ने कुचल दिया। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उनकी मौत से घर में कोहराम मच गया। गौरीबाजार के पथरहट गांव निवासी खरखर प्रसाद गुप्ता (70) पुत्र स्व. पूजन गुप्ता स्वास्थ्य विभाग से रिटायर्ड हुए थे। रोज की तरह रविवार सुबह टहलने निकले थे। गौरीबाजार–रुद्रपुर मार्ग पर मठिया माफी चौराहे के समीप सामने से तेज रफ्तार में आ रही पिकअप ने कुचल दिया। रिटायर्ड स्वास्थ्य कर्मी की मौके पर ही मौत हो गई। चालक वाहन लेकर भाग निकला। दौड़ कर

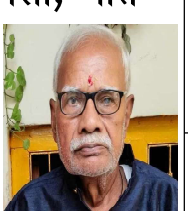

पहुंचे आसपास के लोगों ने हादसे की जानकारी उनके परिवार को दी। मौके पर पुहंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

खरखर गुप्ता बहुत ही मिलनसार व्यक्ति थे। जिसकी वजह से ड्यूटी के दौरान लोगों के बीच काफी लोकप्रिय थे। उनके तीन संतानों में एक पुत्र कुंदन , तीन पुत्रियां ममता, निलम व गुड्डी हैं। उनके मौत से घर में कोहराम मच गया। पत्नी सुशीला व परिवार के लोगों का रो रोकर बुरा हाल था।

एक बाग में मिले कई बंदरों के शव

संवाददाता–बहराइच। बहराइच जिले के नानपारा रेंज के एक बाग में एक दर्जन बंदरों के मृत अवस्था में पड़े होने की खबर सुनते ही आसपास गांव के लोग देखने के लिए मौके पर पहुंच गए। लोगों ने इसकी सूचना वन विभाग और पुलिस को दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दिया है।

नानपारा कोतवाली के गांव इंटहा में एक बाग में एक दर्जन बंदरों के शव को रविवार की सुबह ग्रामीणों ने देखा तो हड़कंप मच गया। यह बात जंगल में आग की तरह फैल गई। बंदरों को देखने के लिए आसपास गांव के लोग भी मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों का कहना है कि बंदरों की मौत अपने आप नहीं हुई है। बल्कि कुछ लोगों ने मक्का के लावा में जहर मिलाकर दे दिया है। हालांकि ग्रामीणों का यह दावा कितना सच है यह बात जांच के बाद ही पता चल सकेगी। गांव के कुछ लोगों ने शनिवार की शाम को ही बंदरों के शव को बाग में पड़ा देखा था। लेकिन जब सुबह ग्रामीण पहुंचे तो उनका आरोप है कि कुछ बंदरों के शव को लोगों ने गायब कर दिया। बंदरों की मौत को लेकर हिंदू संगठनों में नाराजगी है। डीएफओ अजीत कुमार सिंह ने बताया कि बंदरों की मौत की सूचना मिली थी। मौके पर कर्मचारियों को भेजा गया है। पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है।

इस संबंध में नानपारा कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि ग्राम पंचायत इंटहा के एक बाग में एक दर्जन बंदरों की मौत की सूचना मिली है। मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है। ग्रामीणों के भी बयान दर्ज किए गए। पूरे मामले की गहनता से छानबीन की जा रही है।

केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बोले– नाथपंथ की सर्वोच्च पीठ आकर धन्य हो गया

संवाददाता–गोरखपुर। रेल राज्यमंत्री रविवार को गोरखपुर से सिद्धार्थनगर के बढ़नी में विभागीय लोकार्पण–शिलान्यास कार्यक्रम में रवाना होने से पहले गोरखनाथ मंदिर गए। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि विधान से महायोगी गुरु गोरखनाथ का दर्शन और पूजन किया। तत्पश्चात वह ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थली पर पहुंचे और शीश नवाकर तथा विधिवत गुरु पूजन कर उनका आशीर्वाद लिया।

केंद्रीय रेल राज्य मंत्री एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्यमंत्री रवनीत सिंह ने गोरखनाथ मंदिर पहुंचकर शिवावतार गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री श्री सिंह ने कहा कि नाथपंथ की सर्वोच्च पीठ आकर वह धन्य हो गए और यहां से वह देश और देशवासियों की सेवा के लिए नई ऊर्जा लेकर जा रहे हैं।

रेल राज्यमंत्री रविवार को गोरखपुर से सिद्धार्थनगर के बढ़नी में विभागीय लोकार्पण–शिलान्यास कार्यक्रम में रवाना होने से पहले गोरखनाथ मंदिर गए। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि विधान से महायोगी गुरु गोरखनाथ का दर्शन और पूजन किया। तत्पश्चात वह ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थली पर पहुंचे और शीश नवाकर तथा विधिवत गुरु पूजन कर उनका आशीर्वाद लिया।

दर्शन पूजन के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए केंद्रीय रेल राज्यमंत्री रवनीत सिंह ने कहा कि वह सौभाग्यशाली हैं कि उन्हें गोरखनाथ मंदिर आने और गुरु गोरखनाथ तथा ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के दर्शन–पूजन का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि गोरखनाथ मंदिर नाथ परंपरा और गुरु परंपरा के प्रतिबद्ध और प्रसिद्ध है।

गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उनका आशीर्वाद उन्हें हमेशा मिलता रहा है। योगी जी नाथ परंपरा, गुरु परंपरा के ज्ञानी और विस्तारक होने के साथ ही सिख धर्म–परंपरा के भी मर्मज्ञ हैं।

रेल राज्यमंत्री रवनीत सिंह के गोरखनाथ मंदिर पहुंचने पर प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ ने उनका अभिनंदन किया। मंदिर में परंपरागत प्रसाद ग्रहण करने के बाद रवनीत सिंह सिद्धार्थनगर के लिए रवाना हो गए।

किसानों के खिलाफ डबल इंजन सरकार, पशु फसल नष्ट करने के साथ जान भी ले रहे -अवधेश प्रसाद

संवाददाता–अयोध्या। सपा ने सरकार को निशाने पर लिया। अयोध्या सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि डबल इंजन सरकार किसानों के खिलाफ है। अन्ना पशु फसल तो नष्ट कर ही रहे हैं। साथ ही किसानों की जान भी ले रहे हैं। सांसद अवधेश प्रसाद ने रविवार को किसानों के विरोध पर भाजपा सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार किसानों के खिलाफ है। जब तक किसान खुश नहीं हैं, तब तक यह देश खुश नहीं होगा। कहा कि सपा ने पहले भी किसानों और जानवरों के खिलाफ किसानों की मदद करने के लिए सरकार की नीति के बारे में सवाल उठाए थे। कहा कि सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सरकार से पूछा था कि अन्ना पशुओं से फसल को बचाने के लिए सरकार के पास क्या नीति है? लेकिन, सरकार ने कोई बात नहीं सुनी। सांसद ने कहा कि अवारा पशु किसानों की फसल नष्ट कर रहे हैं। साथ ही हमला करके उनकी जान भी ले रहे हैं। पांच हजार से अधिक किसानों को अवारा सांड ने हमला करके मौत के घाट उतार दिया। हमने सरकार को 52 लोगों की सूची दी थी। मांग की थी कि इनके परिवारों के कम से कम 10 लाख रुपये मुआवजे के तौर पर दिए जाएं। लेकिन, सरकार ने उस पर भी कोई ध्यान नहीं दिया।

मंडलायुक्त की कारवाई से हड़कंपः चार सीओ, नौ थानाध्यक्ष समेत 46 अधिकारियों का वेतन रुका, जवाब–तलब

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर के सदर तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में उप पुलिस महानिरीक्षक आनंद कुलकर्णी के साथ औचक पहुंचे मंडलायुक्त अनिल ढींगरा ने अधिकारी दीर्घा की कई कुर्सियां खाली देख उपस्थिति पंजिका की जांच कर दी। इस दौरान चार सीओ, नौ थानाध्यक्ष समेत 46 अधिकारी अनुपस्थित मिले, जिसपर उन्होंने सभी का एक दिन का वेतन रोकने के साथ ही उनसे जवाब तलब करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा जन समस्याओं के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंडलायुक्त ने जिन अधिकारियों का वेतन रोका है, उनमें क्षेत्राधिकारी कैन्ट, गोरखनाथ, चौरी चौरा, कैम्पियरगंज के अलावा नायब तहसीलदार पिपराइच, थानाध्यक्ष राजघाट, तिवारीपुर, कोतवाली, शाहपुर, चिलुआताल, बेलीपार, झंगहा, पीपीगंज महिला थानाध्यक्ष, उप मुख्य चिकित्साधिकारी के साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चरगांवा, पिपराइच के प्रभारी चिकित्साधिकारी का नाम शामिल है। इसी तरह उन्होंने अनुपस्थित पाए गए सहायक अवर अभियंता बाढ़, सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग, सहायक अभियंता

नलकूप द्वितीय, सहायक अभियंता निर्माण खण्ड भवन, अवर अभियंता लघु सिंचाई, उप नगर आयुक्त नगर निगम, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) खोराबार, पिपरौली व सहायक विकास अधिकारी (सहकारिता) जंगल कौड़िया, खोराबार, भटहट, पिपरौली, पिपराइच, मत्स्य पालक विकास अभिकरण, उप श्रमायुक्त, आबकारी निरीक्षक, जिला प्रोबेशन अधिकारी, उप्र परिवहन निगम, सहायक विकास अधिकारी (कृषि) जंगल कौड़िया, भटहट के अलावा खण्ड विकास अधिकारी पिपरौली व चरगांवा, सहायक विकास अधिकारी (सहकारिता) खोराबार तथा जिला खाद्य विपणन अधिकारी भी शामिल हैं। मंडलायुक्त ने सभी का एक दिन का वेतन बाधित करते हुए उनसे स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है। साथ ही चेतावा है कि जवाब संतोष जनक न होने पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। मंडलायुक्त ने कहा कि जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से ही संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है। जन समस्याओं का गुणवत्तायुक्त एवं समयबद्ध निस्तारण शासन की प्राथकिता है। ऐसे में मामलों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर शिथिलता न बरती जाए वर्ना संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाई की जाएगी। इस अवसर पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट व उप जिलाधिकारी (सदर) मृणाली अविनाश जोशी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सीएम योगी आदित्यनाथ 5000 वरिष्ठ नागरिकों देंगे आयुष्मान वय वंदन कार्ड

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महंत दिग्विजय नाथ पार्क में 70 वर्ष की उम्र के 5000 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान वय वंदन कार्ड का वितरण करेंगे। सोमवार को यह कार्यक्रम अपराह्न 3 बजे से आयोजित होगा। इसी दिन सूबे में 90 हजार बुजुर्गों को आयुष्मान वय वंदन कार्ड वितरित किया जाएगा। गोरखपुर से उत्तर प्रदेश में शुरू होने वाले इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी जुट गई है। इसी क्रम में शनिवार को भाजपा महानगर की बैठक बेनीगंज महानगर कार्यालय पर बुलाई गई, जिसमें विधान परिषद सदस्य भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ धर्मेंद्र सिंह सैंथवार, ग्रामीण विधायक विपिन सिंह और महापौर महॉ मंगलेश श्रीवास्तव ने पार्टी पदाधिकारियों, पार्षदों और कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रेरित किया। सभी ने आह्वान किया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी जी जान से जुट जाएं। ज्यादा से ज्यादा वरिष्ठ नागरिकों को जागरूक कर इस आयुष्मान वय बंदन कार्ड बनाने के लिए न केवल प्रेरित किया जाए। इसी कड़ी में 11 दिसंबर को महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज में होने वाली जन आक्रोश रैली को सफल बनाने की रणनीति पर भी चर्चा की गई। सभी बड़े नेताओं ने इस रैली को सफल बनाने के लिए पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आह्वान किया। अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता और संचालन महामंत्री अच्युतानंद शाही ने किया। बैठक में शिव प्रसाद जायसवाल, इंद्रमणि उपाध्याय, उपसभापति धर्मदेव चौहान, देवेश श्रीवास्तव, अच्युतानंद शाही, दयाकृष्ण गुप्ता, शशिकांत सिंह, बृजेश मणि मिश्रा, दयानंद शर्मा, जितेंद्र चौधरी जीतू, पदमा गुप्ता, रंजूला रावत, अनुपमा पांडेय, रणविजय शाही, अजय श्रीवास्तव, राधेश्याम रावत, ऋषि मोहन वर्मा, सिद्धांतों घोष समेत काफी संख्या में भाजपा पार्षद, पदाधिकारी और मण्डल और मोर्चे के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। गत 70 वर्ष से सभी नागरिकों को 05 लाख रुपये की मुफ्त इलाज की सुविधा देने के लिए बुजुर्गों के आयुष्मान वय वंदन कार्ड बनाए जा रहे हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आशुतोष दूबे के मुताबिक 8325 बुजुर्गों के वय वंदन कार्ड बन चुके हैं। गोरखपुर जिले में 432894 लाभार्थी परिवारों के 1120347 लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। इस योजना में मुफ्त इलाज की व्यवस्था करने के लिए जनपद में 91 राजकीय और 189 निजी चिकित्सालयों (कुल 280) को संबद्ध किया गया है। अब तक आयुष्मान योजना से आच्छादित 209666 लाभार्थियों ने मुफ्त चिकित्सा सुविधा का लाभ प्राप्त किया है। इसके लिए सरकार द्वारा करीब 320 करोड़ रुपये का खर्च उठाया गया है।

दो पक्षों में विवाद, दरोगा पहुंचे तो उन्हें भी कमरे में किया बंद, 6 से अधिक हुए घायल

संवाददाता–गोरखपुर। बताया जा रहा है कि घायलों के परिजनों ने हरपुर गांव के दो युवकों को पकड़ लिया और उन्हें कमरे में बंद कर पीटने लगे। तभी सूचना पर पहुंचे हलका दरोगा ज्योति नारायन तिवारी ने बचाव करने का प्रयास किया। इस दौरान कुछ लोगों ने दरोगा से भी हाथापाई की है। इसमें उन्हें चोटें भी आई हैं। इसके बाद थाने की पुलिस फोर्स आ गई, जिसे देखकर मारपीट करने वाले भागने लगे। झंगहा क्षेत्र में क्रिकेट खेलने के विवाद में दो पक्षों में मारपीट और चाकूबाजी की घटना शनिवार देर शाम को हुई। इसमें छह से अधिक लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस के साथ भी हाथापाई हो गई। इसके बाद सीओ चौरीचौरा अनुराग सिंह फोर्स के साथ पहुंच गए। चार घायलों को मेडिकल कॉलेज भेजकर आरोपियों की तलाश पुलिस कर रही है। शुक्रवार को जंगल रसूलपुर नंबर दो और हरपुर गांव के युवकों के बीच क्रिकेट खेलने को लेकर दुबौली चौराहे पर विवाद हो गया। उस समय बीच–बचाव कर मामला शांत करवाया गया। शनिवार देर शाम को हरपुर गांव के युवक परिजनों के साथ जंगल रसूलपुर नंबर दो के चौहान टोला पहुंचे। वहां बातचीत के दौरान मारपीट

की नौबत आ गई। इस दौरान एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर चाकू से हमला कर दिया।

चाकूबाजी में जंगल रसूलपुर नंबर दो निवासी संदीप चौहान, संजय भारती, अजय साहनी और सोनू चौहान घायल हो गए। घायलों को परिजन पहले नई बाजार के एक निजी अस्पताल में ले गए। वहां डॉक्टरों ने चाकूबाजी का मामला देखकर जवाब दे दिया। इसके बाद घायलों को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। दूसरे पक्ष के भी दो से तीन लोगों को चोटें आई हैं, उनका भी एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि घायलों के परिजनों ने हरपुर गांव के दो युवकों को पकड़ लिया और उन्हें कमरे में बंद कर पीटने लगे। तभी सूचना पर पहुंचे हलका दरोगा ज्योति नारायन तिवारी ने बचाव करने का प्रयास किया। इस दौरान कुछ लोगों ने दरोगा से भी हाथापाई की है। इसमें उन्हें चोटें भी आई हैं। इसके बाद थाने की पुलिस फोर्स आ गई, जिसे देखकर मारपीट करने वाले भागने लगे।

पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया है। उनसे पूछताछ चल रही है। झंगहा थाने में अभी किसी पक्ष की तरफ से तहरीर नहीं दी है। सुरक्षा के लिहाज से चौहान टोला में पुलिस लगा दी गई है। पुलिस सभी आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई में जुटी है।

घटना में घायलों को मेडिकल कॉलेज भिजवाया गया है। पुलिस पर किसी ने हमला नहीं किया है। घटना की जांच की जा रही है जो भी दोषी होगा, उसपर सख्त कार्रवाई की जाएगीरू जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव, एसपी उत्तरी

थानाध्यक्ष की कार्यप्रणाली से नाराज ग्राम प्रधानों का प्रदर्शन

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। भवानीगंज थानाध्यक्ष रामदेव की कार्यप्रणाली से नाराज क्षेत्र के आधा दर्जन ग्राम प्रधानों व अन्य लोगों ने रविवार को कस्बे में प्रदर्शन कर कई आरोप लगाए। उन्होंने सांसद को पत्र लिखकर थानाध्यक्ष के स्थानांतरण की मांग की।

सांसद को लिखे पत्र में आरोप लगाया कि थानाध्यक्ष क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, व्यवसायियों व संभ्रांत व्यक्तियों के सम्मान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि थानाध्यक्ष रास्ते में खड़ी गाड़ियों का चालान कर देते हैं। गाड़ियों को थाने उठा लाया जाता है। वह व्यवसायियों से अपशब्दों का प्रयोग करते हैं। प्रदर्शनकारियों में जंगलीपुर ग्राम प्रधान नवरंगी गुप्त, धौरहरा प्रधान रंजीत, जलालपुर के प्रधान गौतम सोनी, पुरैना के प्रधान कृष्णदेव, विनोद कौशल, राम विलास, राजबलि, राजेंद्र, दिनेश कुमार, अखिलेश दुबे, माधव प्रसाद आदि शामिल रहे।

रामदेव, थानाध्यक्ष, भवानीगंज ने कहा कि आरोप लगाना आसान होता है। किसी भी आरोप का वे लोग साक्ष्य नहीं दे सकते हैं। जो सही होगा वही काम किया जाएगा। किसी के हिसाब से थाना नहीं चलेगा। जंगलीपुर के प्रधान नवरंगी गुप्त चाहते हैं कि जो वे चाहें वह काम हो तो ऐसा संभव नहीं है।

अज्ञात वाहन से टक्कर, पत्नी की मौत, पति घायल

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर खजनी थानाक्षेत्रके हरनही गांव के रवि प्रताप सिंह अपनी पत्नी खुशबु सिंह के साथ चार पहिया गाड़ी से लखनऊ जा रहे थे। इसी दौरान लखनऊ अयोध्या हाईवे पर अज्ञात वाहन की चपेट में चार पहिया गाड़ी आ गई। पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि रवि सिंह को गंभीर घायव अवस्था में अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जानकारी के मुताबिक, हरनही के रणजीत सिंह के पुत्र रवि किसी काम से लखनऊ जा रहे थे। इसी बीच सुबह के वक्त कुहासे की वजह से अज्ञात वाहन की चपेट में इनकी स्कॉर्पियो आ गई। हादसा इतना भीषण हुआ कि मौके पर ही पत्नी की मौत हो गई। हादसा लखनऊ बीबीडी थानाक्षेत्र के तिवारीगंज चौराहे पर हुआ।

व्यापारियों और सभासदों ने रेल राज्यमंत्री रवनीत सिंह को सौंपा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बढ़नी रेलवे स्टेशन परिसर में वाशिंग पिट के लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्यमंत्री रवनीत सिंह को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल एवं नगर पंचायत के सभासदों के प्रतिनिधि मंडल ने सात सूत्री ज्ञापन सौंपा। उन्होंने ज्ञापन में रेलवे स्टेशन के विस्तार, ट्रेन संख्या 09658 व 09657 अजमेर से बढ़नी को नियमित करने, बढ़नी से कटरा के लिए ट्रेन, मुड़िला ब्रिज का विस्तार, बहराइच से वाराणसी के लिए चल रही ट्रेन के रिजर्वेशन, अंत्योदय एवं चंपारण दिल्ली हमसफर के ठहराव की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में अध्यक्ष कन्हैया मित्तल, त्रियुगी अग्रहरि, सरदार हरभजन सिंह, निजाम अहमद, संतोष गुप्त, मनोज यादव, पटेश्वरी अग्रहरि, जुनैद अहमद, कृष्ण मोहन गुप्त आदि मौजूद रहे।

वॉलीबॉल में शिवानी और शंभू के चयन पर खेलप्रेमियों ने दी बधाइ

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बढ़नी क्षेत्र के औरहवा गांव की कस्तूरबा विद्यालय की छात्रा शिवानी का चयन उत्तर प्रदेश विद्यालयीय वॉलीबॉल टीम में हुआ है। उसका चयन प्रादेशिक चौंपियनशिप के प्रदर्शन के आधार पर किया गया। बढ़नी क्षेत्र के औरहवा गांव के कस्तूरबा विद्यालय के कर्मचारी रामकुमार की पुत्री शिवानी का चयन वॉलीबॉल के उत्तर प्रदेश विद्यालयीय टीम में हुआ है।

शिवानी का चयन 15 से 19 अक्टूबर तक हुई प्रादेशिक स्कूली वॉलीबॉल चौंपियनशिप में प्रदर्शन के आधार पर हुआ है। शिवानी 10 से 14 दिसंबर तक होने वाली राष्ट्रीय चौंपियनशिप में प्रतिभाग करेगी। शिवानी बाबू केडी सिंह स्टेडियम लखनऊ में कक्षा 10 की छात्रा है। वह गांधी आदर्श इंटर कॉलेज बढ़नी की पूर्व छात्रा है। वहीं बढ़नी कस्बा के मिल कॉलोनी निवासी शंभू गुप्त को उत्तर प्रदेश वॉलीबॉल संघ की ओर से निर्णायक नियुक्त किया गया है। वे राष्ट्रीय चौंपियनशिप में निर्णायक की भूमिका का निर्वहन करेंगे। शम्भू गुप्त व शिवानी के चयन पर खेल प्रेमियों ने बधाई दी है। बधाई देने वालों में जिला वॉलीबॉल संघ के कमालुद्दीन, देवेंद्र पांडेय, रतन सिंह, इशांक सिंह, अकील अहमद, मो. इब्राहिम, निजाम अहमद, सगीर अहमद, जुगगीराम रही, कुनाल प्रताप शाह, विजय वर्मा, अनिल यादव आदि शामिल रहे।

पेड़ से टकराई बाइक, एक की मौत, तीन लोग घायल

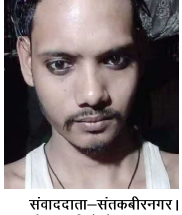

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के धनघटा थाना क्षेत्र के संठी उमरिया मार्ग पर जिगिना ताल में बैरहा मोड़ के पास एक अनियंत्रित बाइक पेड़ से टकरा गई। जिसमें बाइक चालक की मौत हो गई। उस पर सवार तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने सभी को सीएचसी हैंसर पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने एक को मृत घोषित कर दिया। शेष तीन को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल के लिए भेज दिया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दुधरा कला निवासी (ग्राम पंचायत सियरखुर्द) उमाशंकर की बेटी शांति की शादी 10 दिसंबर को होनी है। घर पर विवाह से संबंधित कार्यक्रम जारी हैं। नात–रिश्तेदार भी घर पर आए हुए हैं। दहेज में देने के लिए नई बुलेट बाइक घर पर खरीद कर आई है। जिसको घर के लोग कहीं आने–जाने में प्रयोग भी कर रहे हैं। शनिवार को देर शाम परमात्मा राजभर (22) पुत्र उमाशंकर विशाल (22) पुत्र अरविंद राजभर, सनी (15) पुत्र विजय नरायन राजभर निवासी दुधरा कला तथा शनि (25) पुत्र त्रिलोकी राजभर निवासी पीड़िया थाना धनघटा नई बुलेट बाइक पर सवार होकर संठी चौराहे की तरफ आए और यहां से खरीदारी करके रात में वापस घर जा रहे थे। जैसे ही गाड़ी जिगिना ताल बैरहा मोड़ पर पहुंची। स्पीड अधिक होने के कारण गाड़ी अनियंत्रित हो गई और सड़क के किनारे स्थित पेड़ से टकरा गई। जिसमें बाइक चालक परमात्मा गंभीर रूप से घायल हो गया और बाइक पर सवार दो चचेरे भाई और रिश्तेदार भी घायल हो गए। आने–जाने वाले राहगीरों ने घायलों के घर पर सूचना दी। मौके पर पहुंचे राहगीरों ने 108 नंबर पर फोन कर एंबुलेंस बुलवाई। एंबुलेंस घायलों को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैंसर गई। वहां डॉक्टर ने परमात्मा को मृत घोषित कर दिया। तीन अन्य का इलाज करने लगे। हालत गंभीर देख तीनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया वहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने परमात्मा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद पार्क का होगा सौंदर्यीकरण, सहेजेंगे विरासत

संवाददाता–गोरखपुर। साल 2024 में कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की 145वीं जयंती और 89वीं पुण्य तिथि मनाई जाएगी। इसके पूर्व राज्य स्मार्ट सिटी परियोजना में कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की महानगर से जुड़ी स्मृतियों को सहेजने के लिए गोरखपुर नगर निगम मुंशी प्रेमचंद पार्क को नए सिरे से समृद्ध करेगा। उनकी साहित्यिक, सांस्कृतिक और वैचारिक उपलब्धियों को संरक्षित करते हुए आम जनमानस तक आधुनिक तकनीक के जरिए पहुंचनाने की कोशिश की जाएगी। मण्डलायुक्त अनिल ढींगरा के निर्देश पर नगर निगम जल्द ही इसके लिए विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कराएगा। नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने इसके लिए उत्तर प्रदेश जलनिगम सीएण्डडीएस यूनिट 42 के परियोजना प्रबंधक विवेक कुमार गुप्ता को मुंशी प्रेमचंद पार्क के सौंदर्यीकरण की परियोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इस परियोजना को राज्य स्मार्ट सिटी परियोजना की अगली बैठक में अनुमोदन के लिए रखा जाएगा। कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद ने गोरखपुर में 19 अगस्त 1916 से लेकर 16 फरवरी 1921 तक का निवास किए। नगर निगम के मुख्य अभियंता संजय चौहान कहते हैं कि उनके प्रवास के उस कालखण्ड के मुताबिक प्रेमचंद कुटिया को कलात्मक ढंग से सजाया जाएगा। कुटिया में बने आंगन और कुएं को री–स्टोर किया जाएगा। आडिजियो विजुअल लाइब्रेरी और साइंड एवं लाइट शो का इंतजाम किया जाएगा। कुटिया की दीवारों पर तत्कालीन परिवेश को रेखांकित करती कलाकृतियां और म्यूरल बनाए जाएंगे। उनके कक्ष और रसोई को उस कालखण्ड के मुताबिक सहजाया जाएगा। ताकि कोई दर्शक वहां आए तो लगे कि कथा सम्राट प्रेमचंद की कुटिया में आया है। वहां उसे कम से कम 60 मिनट का वक्त गुजारने का मन करें। मेरी पहली रचना शीर्षक से लिखे संस्मरण में मुंशी प्रेमचंद ने स्वयं लिखा है, 'उस वक्त मेरी उम्र 13 साल रही होगी, हिंदी मैं बिल्कुल नहीं जानता था, उर्दू के उपन्यास पढ़ने लिखने का उन्माद था। उन दिनों मेरे पिता गोरखपुर में रहते थे, मै भी गोरखपुर के मिशन स्कूल में आठवें तक पढ़ता था, जो तीसरा दर्जा कहलाता था। रेती रोड पर बुकसेलर बुद्धिलाल रहता था। मै उसकी दुकान पर बैठता और उसके स्टाल से उपन्यास ले लेकर पढ़ता था, मगर दुकान में सारे दिन तो बैठ नहीं सकता था इसलिए दुकान से अंग्रेजी पुस्तक की कुंजिया और नोट्स लेकर अपने स्कूल के लड़कों के हाथ बेचा करता था और इसके मुआवजे में दुकान से उपन्यास घर लाकर पढ़ता था। दो तीन वर्षों में सारे उपन्यास पढ़ डाले होंगे। जब उपन्यासों का स्टाक समाप्त हो गया तो मैने नवल किशोर प्रेस से निकले हुए पुराणों के उर्दू अनुवाद भी पढ़े। यह संस्मरण बताता है कि प्रेमचंद के रचनाकार होने के संस्कार गोरखपुर की सरजमीं पर बचपन में ही मिले। 31 जुलाई 1880 के जन्में प्रेमचंद, डाक विभाग में मुंशी पिता धनपत राय के स्थानांतरण के बाद 1892 में पहली बार गोरखपुर आए। उस वक्त उनकी उम्र महज 13 साल थी। गोरखपुर में शिक्षक के रूप में उनका दूसरा प्रवास 19 अगस्त से 1916 से लेकर 16 फरवरी 1921 तक रहा।

बढ़नी में 10.20 ग्राम स्मैक के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। एसएसबी व ढेबरआ पुलिस की संयुक्त टीम ने रविवार को बढ़नी कस्बे में रेलवे क्रॉसिंग पश्चिमी कल्ननडिहवा के पास से 10.20 ग्राम स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसकी पहचान कस्बे के वार्ड नंबर तीन लोहिया नगर निवासी अर्जुन पुत्र स्व.जगप्रसाद के रूप में हुई। ढेबरुआ पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। इस अवसर पर एसएसबी के सहायक उप निरीक्षक सुरजीत कुमार, बढ़नी चौकी प्रभारी अमला यादव, हेडकांस्टेबल धर्मेन्द्र मौर्य, विजय गुप्त, साहिल यादव आदि मौजूद रहे।

पैरामेडिकल स्टॉफ को भी मिलेगा सीपीआर का प्रशिक्षण

संवाददाता–गोरखपुर। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के एनेस्थीसिया विभाग में चल रही कार्डियक पल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) ट्रेनिंग के दूसरे दिन 46 रेजिडेंट को ट्रेनिंग दी गई। इस प्रशिक्षण का औपचारिक उद्घाटन करते हुए प्राचार्य डॉ. रामकुमार जायसवाल ने कहा कि डॉक्टरों व पैरा मेडिकल स्टॉफ के अलावा आम लोगों को भी इसका तरीका सीखना चाहिए। क्योंकि हार्ट अटैक के मामले में सीपीआर देने से मरीज की जान बचाई जा सकती है और उसे अस्पताल ले जाने व इलाज शुरू कराने के लिए कुछ वक्त मिल सकता है। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में पिछले महीने नेशनल लाइफ सपोर्ट सिस्टम का उद्घाटन मुख्यमंत्री ने किया था। इसके बाद यहां सीपीआर का प्रशिक्षण शुरू हुआ था। इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दूसरे दिन प्राचार्य डॉ. रामकुमार जायसवाल, एनेस्थीसिया विभागाध्यक्ष डॉ. सुनील आर्या और ब्रिटेन से आए डॉ. जोगिंदर सिंह ने उद्घाटन किया। प्राचार्य ने कहा कि इस ट्रेनिंग को समय–समय पर रिफ्रेश करने की जरूरत है। डॉ. सुनील आर्या ने कहा कि सीपीआर की ट्रेनिंग सभी चिकित्सकों के लिए अनिवार्य है। अब हर शनिवार को विभाग में सीपीआर की ट्रेनिंग दी जाएगी। इसे रेजिडेंट के अलावा एमबीबीएस छात्र भी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस ट्रेनिंग को ऑनलाइन भी करने के लिए संसाधन जुटाए जा रहे हैं।

मिल्कीपुर उपचुनाव में टिकट को लेकर सपा में कलह शुरू

संवाददाता–अयोध्या। मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव में टिकट को लेकर समाजवादी पार्टी में कलह शुरू हो गई है। समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव सूरज चौधरी ने अपने 500 साथियों के साथ समाजवादी पार्टी छोड़ दी है। सूरज चौधरी ने सांसद अवधेश प्रसाद पर परिवारवाद का आरोप लगाया है। सूरज ने कहा कि सांसद अवधेश प्रसाद को 2022 के विधानसभा चुनाव में मेहनत कर चुनाव जिताया था और जब वे लोकसभा का चुनाव लड़ रहे थे, तब भी उनको जीत के लिए जी तोड़ मेहनत किया। जब सांसद बन गए तो उन्होंने वादा किया था कि वे इस बार सूरज चौधरी को मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र से टिकट दिलवाएंगे। कहा कि सांसद बन जाने के बाद भी उन्होंने हमें टिकट ना दिलवाकर अपने बेटे अजीत प्रसाद को टिकट दिलवा दिया। वादा खिलाफी का आरोप लगाकर सूरज चौधरी ने समाजवादी पार्टी से किनारा कस लिया है। सूत्रों की मानें तो अब वह भीम आर्मी के संपर्क में हैं। उन्होंने बताया कि सपा से टिकट दिलाने के लिए सांसद अवधेश प्रसाद ने कई बार लखनऊ बुलवाया। कहा कि वे सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव से उनकी मुलाकात करवाएंगे। लेकिन, उन्होंने मुलाकात नहीं करवाई। लखनऊ में ही टहलाते रहे। दावा किया कि सपा प्रत्याशी अजीत प्रसाद लगभग 50 हजार वोटों से चुनाव हारेंगे। यहां पर भाजपा चुनाव जीतेगी। फिलहाल सपा पर परिवारवाद का आरोप लगने से अब टिकट को लेकर कलह सामने आने लगी है।

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चर्तुभुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com